हिन्दी दैनिक

# तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 04, अंकः-25, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, शुक्रवार 03 जुलाई 2026

लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़...02

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की स्थिति की मांग को लेकर सांकेतिक...06

एअर इंडिया ने इंटरनेशनल उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज घटाया

चांदी 3,420 चढ़कर 2.29 लाख किलो हुई

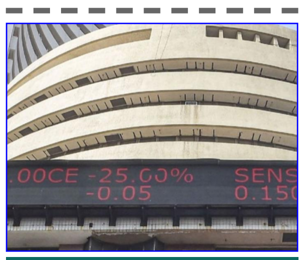

सेंसेक्स 579 अंक चढ़कर 77,502 पर बंद

## सरकारी जमीन पर कथित निर्माण, टीएमसी नेता के बेटे के कैफे पर कार्रवाई

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस नेता सौकत मुल्ला के बेटे के स्वामित्व वाले एक कैफे को बृहस्पतिवार को ध्वस्त कर दिया गया। कथित रूप से सरकारी जमीन का अतिक्रमण कर इस कैफे का निर्माण किया गया था। अधिकारी ने बताया कि यह कैफे पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित था जिसे प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। उन्होंने दावा किया कि मुल्ला के परिवार को कई बार नोटिस जारी कर कथित अवैध निर्माण हटाने को कहा गया था, लेकिन ऐसा नहीं किए जाने पर यह कार्रवाई की गई। अधिकारी के अनुसार, अरानाएर कूले नामक यह कैफे कथित तौर पर मतला नदी के रेतीले टापू बालू क्षेत्र पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से बनाया गया था। इसका संचालन पूर्व विधायक सौकत मुल्ला के बेटे इमरान मोल्ला द्वारा किया जाता था।

## अयातुल्ला खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगी पीडीपी प्रमुख

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती अमेरिका एवं इजराइल के हमले में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण मिलने के बाद उन्हें श्रद्धांजलि देने ईरान जाएंगी। ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के निदेशक मोहसीन कुम्मी ने महबूबा को भारत की विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया है। पीडीपी प्रमुख ने कहा, यह निमंत्रण मिलना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है और यह जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर जैसा है। मैं सर्वोच्च नेता को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए वहां जाऊंगी।

## गोपालगंज में फूड प्वाइजनिंग से 10 बच्चों समेत 12 लोग बीमार

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज जिले में फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आया है, जहां पारंपरिक व्यंजन फेंसा खाने के बाद एक ही परिवार के 10 बच्चों समेत कुल 12 लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी को पहले बैकुंठपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, सभी मरीजों की हालत अब खतरे से बाहर है और लगातार सुधार हो रहा है। यह घटना बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के कृतपुरा गांव की है।

# सुजुकी दो-तिहाई कारें भारत में बना रही : मोदी

जापान की मदद से देश में खाद के 1000 कारखाने लगेंगे, पीएम ताकाइची को बहन कहा

### भारत-जापान के बीच 129 समझौतों का ऐलान

भारत-जापान जॉइंट इकोनॉमिक फोरम में 129 समझौता ज्ञापनों का ऐलान किया गया। इन समझौतों का मकसद दोनों देशों के बीच निवेश, उद्योग, मैन्युफैक्चरिंग, तकनीक, कौशल विकास और सप्लाई चेन सहयोग को मजबूत करना है। इसके साथ ही, भारत में 2 ट्रिलियन जापानी येन (1.18 लाख करोड़ रुपए) से अधिक के भारी निवेश की घोषणा की गई है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की पहले अनुमानित लागत करीब 2 लाख करोड़ है। यह पैसा जापान की सरकारी एजेंसी जेआईसीए बेहद सस्ती शर्तों पर दे रही है।

### ताकाइची बोलीं- मोदी मेरे बड़े भाई जैसे

ताकाइची ने संयुक्त प्रेस बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपनी 'सुंदर छोटी बहन' कहा। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने आपसी रिश्ते को भाई-बहन की तरह आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि जापान की फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक नीति और भारत की महासागर पहल एक-दूसरे की पूरक हैं। इसी वजह से दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने को प्राथमिकता देने का फैसला किया है, ताकि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और जापान ने आर्थिक साझेदारी को नई रफ्तार देने का फैसला किया है। भारत-जापान जॉइंट इकोनॉमिक फोरम में प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी कंपनियों की दिक्कतें दूर करने के लिए जापान बिजनेस वीक शुरू करने का ऐलान किया। इसके तहत पीएमओ के सीनियर अधिकारी सीधे जापानी निवेशकों से बातचीत करेंगे। मोदी ने कहा कि आज दुनिया में बिकने वाली सुजुकी की दो-तिहाई कारें भारत में बन रही हैं और इन्हें 100 से ज्यादा देशों में निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जापान के सहयोग से देश में करीब 1000 खाद (फर्टिलाइजर) कारखाने लगाए जाएंगे। दोनों देशों ने अगले 10 साल में भारत में 10 ट्रिलियन येन के जापानी निवेश का लक्ष्य भी रखा है। पीएम मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने हरियाणा के खरखौदा में मारुति सुजुकी के चौथे वाहन निर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। अपने संबोधन की शुरुआत में पीएम मोदी ने साने ताकाइची को अपनी छोटी बहन कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की तकनीक, निवेश और उत्पादन क्षमता का मेल दोनों देशों के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। सुजुकी दुनिया में हर साल करीब 30 लाख (3 मिलियन) कारें बनाती है। इनमें से लगभग 20 लाख (2 मिलियन) कारें अकेले भारत में बनती हैं। यानी कंपनी की हर 3 में से 2 कारें (करीब 66 प्रतिशत) भारत में तैयार होती हैं। भारत में ये कारें मारुति सुजुकी के हरियाणा और गुजरात के प्लांट में बनती हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में मारुति सुजुकी ने 20 लाख से अधिक कारों का उत्पादन किया और 3.32 लाख से ज्यादा कारें 100 से अधिक देशों में निर्यात कीं। भारत-जापान जॉइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगले 10 साल में भारत में जापान का निवेश 10 ट्रिलियन येन (करीब 5.9 लाख करोड़ रुपए) से अधिक होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात दोनों देशों के उद्योगपतियों, निवेशकों और कारोबारी प्रतिनिधियों से कही। वे जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की मौजूदगी में मंच को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और जापान ने तेल संकट जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए ऊर्जा सुरक्षा पर नई पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि दोनों देश बैटरी, ग्रीन हाइड्रोजन और न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे, जिससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

## छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय, अगले दो दिनों में भारी बारिश के आसार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आगामी दो दिनों के दौरान अत्यधिक तेज बारिश होने का अनुमान जताया है। पिछले 24 घंटों के दौरान सरगुजा और बस्तर संभाग के एक-दो स्थानों पर तेज बारिश दर्ज की गई। राजधानी रायपुर में आज सुबह से घने बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार शहर में बादल छाए रहने, तेज हवा चलने तथा बारिश होने के आसार हैं। रायपुर में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार औसत समुद्र तल पर एक मौसमी द्रोणिका पंजाब से बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग तक फैली हुई है, जो समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर की ऊंचाई तक विस्तृत है। वहीं बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से तथा उससे लगे दक्षिणी बांग्लादेश के ऊपर औसत समुद्र तल से 1.5 से 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर झुका हुआ है। इसके प्रभाव से शुक्रवार के आसपास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

तेल कंपनियों को नुकसान का हवाला देकर बोले पुरी

# पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी अभी नहीं

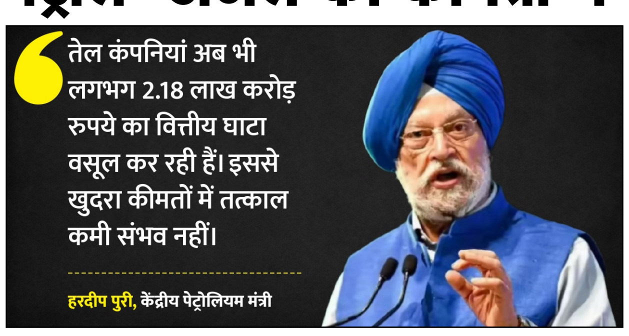


नई दिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि मौजूदा हालात में खुदरा ईंधन कीमतों को कम करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने बताया कि वैश्विक कच्चे तेल बाजारों में बड़े उतार-चढ़ाव के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतों काफी हद तक स्थिर रही हैं। पिछले चार वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में केवल 5.58 फीसदी और डीजल की कीमतों में 6.23 फीसदी की वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) अब भी लगभग 2.18 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय घाटा वसूल कर रही हैं। इन कंपनियों के पास अब भी उच्च अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों पर खरीदा गया ईंधन भंडार मौजूद है। इससे खुदरा कीमतों में तत्काल कमी करना अव्यावहारिक हो जाता है। पुरी ने कहा कि इसलिए, इस समय ईंधन कीमतों को कम करने का सवाल उचित नहीं है। अगर दो-तीन महीनों तक कच्चे तेल की कीमतें नरम रहती हैं तो हम इस बारे में सोचेंगे। उन्होंने सरकार की ओर से वैश्विक ऊर्जा बाजार में व्यवधानों के प्रबंधन के बारे में भी बताया। भारत ने उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों से उत्पन्न अधिकांश अस्थिरता से सफलतापूर्वक बचाया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास हालिया तनाव के दौरान भी देश ने ईंधन की उपलब्धता में कोई व्यवधान नहीं आने दिया। मंत्री ने बताया कि भारत के लगभग 1.07 लाख ईंधन खुदरा बिक्री केंद्रों का नेटवर्क संकट के दौरान सामान्य रूप से संचालित होता रहा। हां, तेल विपणन कंपनियों को 30 जून तक पेट्रोल, डीजल और एलपीजी को लागत से कम बेचने के कारण 74,781 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। यह नुकसान पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद हुआ। पुरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें अब कम हो गई हैं।

### एनआईए-इसरो और डीआरडीओ को बम की धमकी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने एनआईए, इसरो, डीआरडीओ सहित कुछ संगठनों और एअर इंडिया के एक विमान में बम रखे होने की फर्जी धमकी वाला ईमेल भेजने के आरोप में गाजियाबाद के एक व्यक्ति को पकड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि 36 वर्षीय निशांत त्यागी का 2008 से मानसिक बीमारी का इलाज चल रहा है। 29 जून को भेजे गए ईमेल में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) के मुख्यालय सहित कई उच्च-सुरक्षा वाले प्रतिष्ठानों में बम रखे होने का दावा किया गया था। नयी दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने वाली एअर इंडिया की एक उड़ान के लिए भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया था।

योगी सरकार का दावा

# 9 साल में 62 लाख परिवारों को पक्का घर, 79 लाख किसानों को फसल बीमा का लाभ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने दावा किया है कि वर्ष 2017 में प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है। सरकार का कहना है कि 2017 से पहले राजनीतिक कारणों से केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी संचालन में बाधाएं डाली जाती थीं और मिलते-जुलते नामों से योजनाएं चलाकर लोगों को भ्रमित किया जाता था। गुरुवार को जारी सरकारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2014 से 2017 के बीच पूर्ववर्ती सरकार 50 हजार आवास भी नहीं बनवा सकी थी। सरकार का आरोप है कि उस समय केंद्र को लाभार्थियों की सूची भेजने और राज्यांश जारी करने में भी देरी की गई। जबकि 2017 के बाद पिछले नौ वर्षों में प्रदेश के 62 लाख से अधिक परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर सरकार ने दावा किया कि वर्ष 2017 से पहले केवल लगभग तीन प्रतिशत किसानों का ही बीमा हो पाया था। वहीं पिछले नौ वर्षों में 79 लाख से अधिक किसानों को 6,283 करोड़ रुपये से अधिक का बीमा भुगतान किया जा चुका है। सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि मार्च 2017 तक उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्वच्छता का दायरा केवल 35 प्रतिशत था और राज्य का कोई भी जिला खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित नहीं हुआ था। सरकार के मुताबिक 2017 के बाद 3.31 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कराया गया और उत्तर प्रदेश को शत-प्रतिशत ओडीएफ राज्य घोषित किया गया।

## कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई अमरनाथ यात्रा उपराज्यपाल ने पहले जत्थे को किया रवाना

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां भगवती नगर आधार शिविर से अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे को कश्मीर स्थित पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों के लिए रवाना किया। करीब 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 57 दिनों की वार्षिक तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। यात्रा अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे, लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बालटाल मार्ग से एक साथ आरंभ होगी। इसका समापन 28 अगस्त को होगा। उपराज्यपाल सिन्हा ने तीर्थयात्रियों के काफिले को रवाना करने से पहले भगवती नगर आधार शिविर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उनके साथ पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा, भाजपा सांसद जुगल किशोर शर्मा, भाजपा के स्थानीय विधायक, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। बम-बम भोले, हर-हर महादेव और जय बर्फानी बाबा की के जयघोष के बीच पांच हजार से अधिक तीर्थयात्री कड़े सुरक्षा प्रबंध में सुरक्षित वाहनों के काफिले में दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुए। समारोह के बाद उपराज्यपाल सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हर-हर महादेव!

# दिल्ली दहलाने की साजिश फिर नाकाम

शहजाद भट्टी के संपर्क में थे पकड़े गए आतंकी, सामने आया तुर्किये कनेक्शन

### सोशल मीडिया बना आतंकियों की भर्ती का अड्डा

निशाने पर धार्मिक स्थल, पुलिस थाने और अन्य महत्वपूर्ण भवन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राजधानी को दहलाने की नापाक साजिश को नाकाम किया है। टीम ने इस संबंध में आईएसआई टेरर मॉड्यूल के चार आतंकियों को पंजाब और दिल्ली से छापेमारी कर गिरफ्तार किया है। पकड़े आतंकी शहजाद भट्टी और उसके हैंडलर्स के सीधे संपर्क में थे। मॉड्यूल के लिए आईएसआई ड्रोन के जरिए पंजाब के रास्ते भारत में लगातार हथियार और ड्रग्स भेज रही है। पकड़े गए आतंकियों की पहचान तरनतारन, पंजाब निवासी शुभदीप सिंह उर्फ विशाल (23), गुरजंत सिंह उर्फ ऋषि (22), अमृतसर, पंजाब नि वासी साजन सिंह उर्फ हनी (28) और फतेहगढ़ साहिब, पंजाब निवासी गगनप्रीत (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक तुर्किये निर्मित जिगाना पिस्टल समेत दो पिस्टल, 9 कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गगनप्रीत के मोबाइल से पुलिस को कई धार्मिक स्थलों, पुलिस थानों के अलावा पुलिस के कई दूसरे भवनों की वीडियो मिली है। गगनप्रीत दिल्ली में रहकर लगातार रेकी के वीडियो बनाकर अपने आकाओं को भेज रहा था। पकड़े गए आरोपियों में शुभदीप व गुरजंत दोनों सगे भाई हैं। पुलिस पकड़े गए आतंकियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि उनकी टीम को लगातार जानकारी मिल रही थी कि पाकिस्तान स्थित आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली-एनसीआर में बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहा है। सोशल मीडिया के जरिए पंजाब के कुछ युवाओं को लालच देकर भर्ती किया जा रहा है। स्पेशल सेल एनडीआर की टीम लगातार इस संबंध में जानकारी जुटाती रही। इस बीच टीम को शुभदीप सिंह उर्फ विशाल का पता चला। एक टीम को फौरन अमृतसर, पंजाब भेजा गया। टीम ने मजीठा रोड, अमृतसर से शुभदीप को गिरफ्तार किया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

## चंपत राय और अनिल को ट्रस्ट देगा कारण बताओ नोटिस, जवाब के बाद ही होगी कार्रवाई

अयोध्या, संवाददाता। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की छह जुलाई को प्रस्तावित बैठक पर सभी की निगाहें टिकी हैं। ट्रस्ट सूत्रों के अनुसार, महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा को बैठक में कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी किया जाएगा। दोनों से प्रकरण पर लिखित और मौखिक स्पष्टीकरण मांगा जाएगा तथा उन्हें अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा। इसके बाद ट्रस्ट अपने बायलॉज और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आगे का फैसला करेगा। ट्रस्ट के सूत्रों का कहना है कि ट्रस्ट के बायलॉज के तहत किसी भी पदाधिकारी के खिलाफ बिना स्पष्टीकरण लिए कार्रवाई नहीं की जा सकती। पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है, फिर संबंधित पदाधिकारी का जवाब सुना और रिकॉर्ड पर लिया जाता है। जवाब पर विचार करने के बाद ही ट्रस्ट अंतिम निर्णय लेता है। यदि बैठक में किसी पदाधिकारी के इस्तीफे को स्वीकार करने अथवा पद से हटाने का प्रस्ताव आता है तो उस पर भी ट्रस्ट के बायलॉज के अनुसार आवश्यक बहुमत से ही फैसला होगा। यानी अंतिम निर्णय प्रक्रिया पूरी होने और ट्रस्टियों की सहमति के बाद ही लिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच फरवरी 2020 को संसद में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी।

# भारतीय रेलवे ने जून 2026 में बनाया नया रिकॉर्ड

1422 लाख टन माल ढुलाई और 63.81 करोड़ यात्रियों का सफर

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने जून 2026 में माल ढुलाई और यात्री परिवहन, दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। रेलवे ने इस दौरान 1422.1 लाख टन माल की ढुलाई की, जो जून 2025 के 1367.1 लाख टन की तुलना में 55 लाख टन (4 प्रतिशत) अधिक है। इस बढ़ोतरी से रेलवे को करीब 430 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ। रेलवे के अनुसार जून महीने में विभिन्न प्रमुख वस्तुओं की ढुलाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उर्वरकों की ढुलाई में 19.1 प्रतिशत, अन्य सामान में 17.3 प्रतिशत, लौह अयस्क में 9.4 प्रतिशत, घरेलू कोयले में 4.9 प्रतिशत, कुल कोयले में 3.6 प्रतिशत तथा क्लिंकर में

7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में रेलवे ने 4190.8 लाख टन माल की ढुलाई की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 4130.5 लाख टन था। इस दौरान लौह अयस्क की ढुलाई में 7.44 प्रतिशत, क्लिंकर में 6.54 प्रतिशत और अन्य सामानों की ढुलाई में 12.16 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेलवे ने यह भी बताया कि जून 2026 में देश के ऊर्जा संयंत्रों को पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक कोयले की आपूर्ति की गई

# यूएन में बोला भारत- आतंकी सिर्फ आतंकी होता है, खत्म हों दोहरे मापदंड

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने वैश्विक मंच पर आतंकवाद और मानवता संकट दोनों मोर्चों पर देश का रुख पुरजोर तरीके से रखा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में यूनाइटेड नेशंस ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म स्ट्रेटेजी (जीसीटीएस) के नौवें रिव्यू के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए राजदूत हरीश ने दो टूक कहा कि आतंकवाद को किसी भी आधार पर सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आह्वान किया कि इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए 'दोहरे मापदंड' और राजनीतिक नैरेटिव को पूरी तरह खारिज किया जाए। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक बयान में बताया कि हरीश ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि एक आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी होता है और काउंटर-टेररिज्म के प्रयासों को किसी भी झूठी समानता से कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत दशकों से सीमा पार आतंकवाद का शिकार रहा है, जिसने देश की %जीरो-टॉलरेंस% की नीति को आकार दिया है। भारत ने टेरर फाइनेंसिंग (आतंकवादी वित्तपोषण) को रोकने और उभरती तकनीकों के दुरुपयोग पर गहरी चिंता जताई। इसके साथ ही राजदूत हरीश ने तीन दशक पुराने %कॉम्प्रिहेंसिव कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल टेररिज्म% (सीसीआईटी) को जल्द से जल्द अपनाने की मांग दोहराई, ताकि वैश्विक स्तर पर आतंकियों को सुरक्षित पनाहगाह मिलना बंद हो सके। इससे एक दिन पहले, राजदूत हरीश ने यूनाइटेड नेशंस रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की %प्लेजिंग कॉन्फ्रेंस% में भारत का आधिकारिक बयान प्रस्तुत किया था। गाजा की नाजुक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि भारत ने अब तक फिलीस्तीनी लोगों को 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की विकास और मानवीय सहायता प्रदान की है, जिसमें पिछले तीन वर्षों में भेजी गई 150 टन राहत सामग्री शामिल है। भारतीय मिशन के बयान के अनुसार भारत ने यूएनआरडब्ल्यूए के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की आर्थिक सहायता का संकल्प लिया है। हरीश ने भारत के इस रुख को भी साफ किया कि नई दिल्ली एक बातचीत के जरिए %द्वि-राष्ट्र समाधान% (टू-स्टेट सॉल्यूशन) का समर्थन करती है, जिससे एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलीस्तीन देश की स्थापना हो सके, जो सुरक्षित सीमाओं के भीतर इजरायल के साथ शांति से रह सके।

# लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, 119 गिरफ्तार

⇨ विदेशी नागरिकों को बनाते थे शिकार, फर्जी कॉल सेंटर से करोड़ों की ठगी का खेल; 103 लैपटॉप, 68 आईफोन समेत भारी मात्रा में उपकरण बरामद

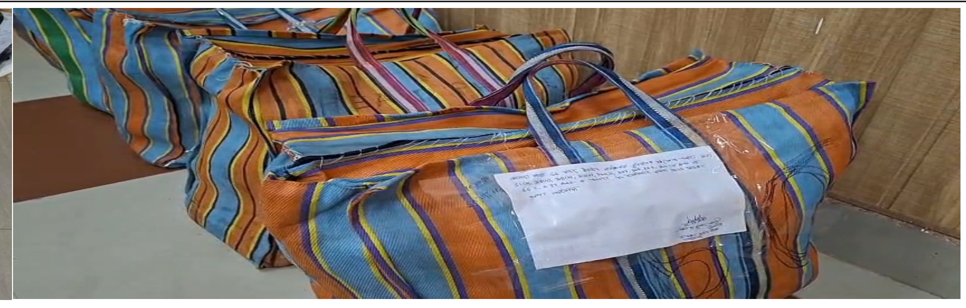

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 119 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान फर्जी कॉल सेंटर का संचालन कर विदेशी नागरिकों से करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क के तार देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक फैले हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह फर्जी कंपनी के नाम पर विभिन्न राज्यों से बीपीओ और इंटरनेशनल कॉलिंग का अनुभव रखने वाले युवाओं की भर्ती करता था।

कर्मचारियों को बिना नियुक्ति पत्र और अन्य वैधानिक दस्तावेजों के काम पर रखकर विदेशी नागरिकों को झांसे में लेने का प्रशिक्षण दिया जाता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी स्वयं को सरकारी एजेंसियों या प्रतिष्ठित संस्थानों का प्रतिनिधि बताकर विदेशी नागरिकों को डराते-धमकाते थे और फिर उनसे गिफ्ट कार्ड, डिजिटल वाउचर तथा क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से रकम वसूलते थे, ताकि लेन-देन का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड न मिल सके। छापेमारी के दौरान 103 लैपटॉप, 68 आईफोन, 109 मोबाइल फोन, 116 हेडफोन, आठ वाई-फाई राउटर, बायोमेट्रिक मशीन सहित बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए। इसके अलावा प्रतिबंधित इंटरनेट कॉलिंग सॉफ्टवेयर, विदेशी नागरिकों का संवेदनशील डेटा, फर्जी सरकारी दस्तावेज, नकली न्यायालय आदेश, पहचान चोरी से जुड़े रिकॉर्ड और साइबर अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी पुलिस के हाथ लगे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों की भूमिका फर्जी कॉल सेंटर संचालन, विदेशी नागरिकों से संपर्क स्थापित करने, नकली दस्तावेजों के इस्तेमाल और संगठित साइबर धोखाधड़ी में पाई गई है। पूरे नेटवर्क, वित्तीय लेन-देन, सर्वर, तकनीकी सहयोगियों तथा इस गिरोह के अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की गहन जांच जारी है। जांच आगे बढ़ने के साथ कई और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

## डॉ. संतोष तिवारी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा, सेवा व समर्पण को किया याद

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

वाराणसी। प्रबुद्धजन काशी न्यास एवं पुरातन छात्र संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी स्वर्गीय डॉ. संतोष तिवारी की स्मृति में योग साधना केंद्र में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राजनाथ तथा संचालन डॉ. अभिषेक मिश्र ने किया। वक्ताओं ने डॉ. संतोष तिवारी को सरल, कर्मठ, ईमानदार एवं समाजसेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उनका असामयिक निधन विश्वविद्यालय परिवार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। अंत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी, पूर्व छात्र एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## आजाद समाज पार्टी ने नगीना विधानसभा में शुरू किया बूथ सशक्तिकरण अभियान

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

नगीना। आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनज़र आजाद समाज पार्टी (एएसपी) ने नगीना विधानसभा क्षेत्र में बूथ सशक्तिकरण अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत विधानसभा अध्यक्ष सरफराज मलिक ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन विकास सूर्यवंशी द्वारा उपलब्ध कराया गया है। इस अवसर पर सरफराज मलिक ने कहा कि प्रचार वाहन विधानसभा के प्रत्येक बूथ तक पहुंचेगा और कार्यकर्ताओं के सहयोग से संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ आमजन को पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की नींव होता है और इसी आधार पर पार्टी वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अभियान को पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एएसपी के जिला प्रभारी दीपक कुमार, पूर्व प्रत्याशी विकास सूर्यवंशी, विधानसभा उपाध्यक्ष रहमान भूरे, विधानसभा सचिव रविराज, नगर प्रभारी असलम अंसारी, खुर्शीद मलिक, गुलफाम मलिक सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## बिजली कटौती पर भड़के नगर विधायक, अधिकारी को फोन पर लगाई फटकार, बोले- जनता मुझे दे रही गालियां

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर**

मिर्जापुर। जिले में लगातार हो रही घंटों की बिजली कटौती को लेकर नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने बिजली विभाग के एक जिम्मेदार अधिकारी को मोबाइल फोन पर जमकर फटकार लगाई और खराब विद्युत आपूर्ति पर कड़ी नाराजगी जताई। विधायक ने अधिकारी से कहा कि जिले में करीब 12 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है, जिससे आम जनता परेशान है। भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा, 卐जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। विधायक होने के नाते लोग मुझे गालियां दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मिर्जापुर को 20 से 24 घंटे बिजली देने के निर्देश दिए हैं, लेकिन आप लोग 12 घंटे भी नियमित आपूर्ति नहीं दे पा रहे हैं।卐 बातचीत के दौरान विधायक ने कहा कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वह मुख्यमंत्री के आगामी जनपद दौरे के दौरान पूरे मामले की लिखित शिकायत करेंगे। उन्होंने अधिकारी से कहा कि 卐चार दिन बाद मुख्यमंत्री आ रहे हैं। मैं उन्हें पूरे मामले से अवगत कराऊंगा।卐 विधायक ने यह भी कहा कि अधिकारी द्वारा यह कहना कि 卐मेरे मन का हो रहा है卐 पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने सवाल किया कि 卐जनता को बिजली न मिले, यह मेरे मन का कैसे हो सकता है? परेशानी जनता झेल रही है और उसका जवाब मुझे देना पड़ रहा है। सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों तक हर कोई विधायक होने के नाते मुझे ही जिम्मेदार ठहरा रहा है।卐 नगर विधायक की इस बातचीत का ऑडियो सामने आने के बाद जिले में बिजली व्यवस्था को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लगातार हो रही बिजली कटौती से लोगों में पहले से ही नाराजगी है और अब जनप्रतिनिधि द्वारा अधिकारियों को फटकार लगाए जाने से बिजली विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

## राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से पारदर्शिता की मेरी पुरानी मांग को हाल की घटनाओं ने सही साबित किया- अमिताभ ठाकुर

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से संबंधित हाल की घटनाओं ने पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को लेकर उनके द्वारा वर्षों से उठाए जा रहे प्रश्नों की प्रासंगिकता को और अधिक स्पष्ट कर दिया है.

उन्होंने बताया कि 26 फरवरी 2024 को उन्होंने ट्रस्ट से अनुरोध किया था कि वह स्वेच्छा से अपने ट्रस्ट दस्तावेज, वार्षिक प्रतिवेदन, बैलेंस शीट तथा अन्य मूलभूत वित्तीय अभिलेख सार्वजनिक करे. इस पर कोई सार्थक कार्रवाई न होने पर उन्होंने 7 जून 2025 को दुबारा पत्र भेजा था. इसी बीच चम्पत राय द्वारा ट्रस्ट के लेखों का ऑडिट नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा होने का सार्वजनिक बयान आया, जिस पर अमिताभ ठाकुर ने चम्पत राय को पत्र भेज कर इस सम्बन्ध में स्थिति से अवगत कराने का अनुरोध किया था. अपने उत्तर में ट्रस्ट स्वयं को एक स्वतंत्र एवं स्वायत्त संस्था बताते हुए स्पष्ट किया कि उसके लेखों का कभी भी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा ऑडिट नहीं किया गया है ।अमिताभ ठाकुर ने कहा कि वे इस सम्बन्ध में ट्रस्ट से दुबारा पत्राचार कर अपने ट्रस्ट दस्तावेज, वार्षिक प्रतिवेदन, बैलेंस शीट तथा अन्य मूलभूत वित्तीय अभिलेख सार्वजनिक करने का अनुरोध करेंगे ताकि देश की करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इस महत्वपूर्ण संस्थान में अधिकतम पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की स्थिति बन सके.

## प्रकृति प्रेम का अनूठा उदाहरण, जन्मदिन पर किया पौधारोपण

**पेड़-पौधे केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं बल्कि शुद्ध वायु,स्वछ पर्यावरण का आधार है - मुदस्सिर हुसैन**

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई**

मवई अयोध्या। विकास खंड मवई की ग्राम पंचायत नेवरा निवासी पत्रकार मुदस्सिर हुसैन ने अपने जन्मदिन के अवसर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया। उन्होंने अपने जन्म दिन पर प्रकृति प्रेम का उदाहरण देते हुए बड़ी सादगी के साथ इकराम मंजिल कोठी नेवरा परिसर में एक पौधा लगाया व उसकी देखभाल का संकल्प भी लिया। इस मौके पर मुदस्सिर हुसैन ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और लगातार घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। यदि हर व्यक्ति इस संकल्प को अपनाए तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं बढ़ाते,बल्कि शुद्ध वायु,संतुलित पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। इसलिए पौधारोपण के साथ-साथ उसकी नियमित देखभाल करना भी हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। मौजूद लोगों में समाजसेवी दानिश हुसैन, सैय्यद ताल्मीज़ अशरफ़,सैय्यद मंजर अशरफ़,पूर्व प्रधान इदरीश खां,वरिष्ठ अधिवक्ता शहाब खां,ज़फ़र इक़बाल, अरमान शाह,अफ़ाक़ इदरीश, गुल मोहम्मद,बाबा फ़हीम, जगजीवन प्रसाद,पत्रकार अबू बाकर खां,पत्रकार मुनीर अहमद अंसारी,पत्रकार अमर यादव,सहित अनेक शुभचिंतकों ने पत्रकार मुदस्सिर हुसैन को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य,दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पौधारोपण जैसी प्रेरणादायी पहल की सराहना की और अधिक से अधिक लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की।

# फर्जी दरोगा बनकर वसूली करने वाला युवक गिरफ्तार, पुलिस वर्दी व फर्जी आईडी कार्ड बरामद

➲चोलापुर थाना प्रभारी निरीक्षक सधुवन राम गौतम के नेतृत्व में ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बड़ी सफलता

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी**

वाराणसी। पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी के थाना चोलापुर प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सधुवन राम गौतम के नेतृत्व में चलाए जा रहे 卐ऑपरेशन चक्रव्यूह卐 के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने फर्जी दरोगा बनकर लोगों से ठगी और अवैध वसूली करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस की वर्दी, फर्जी पुलिस पहचान पत्र, नियुक्ति पत्र की प्रति, पुलिस बैज, कैप, बेल्ट, मोबाइल फोन, नकदी सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजन प्रजापति (23 वर्ष) पुत्र सभापति प्रजापति, निवासी इन्द्रपुर, थाना शिवपुर, वाराणसी के रूप में हुई है। उसे गुरुवार तड़के करीब 12-40 बजे थाना चोलापुर क्षेत्र के आयर बाजार स्थित औरा नहर के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह पुलिस उपनिरीक्षक (दरोगा) की वर्दी पहनकर लोगों पर पुलिस अधिकारी होने का रौब जमाता था। वह पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से रुपये वसूलता था तथा चेकिंग के नाम पर भी अवैध वसूली करता था। इसके लिए उसने फर्जी पुलिस आईडी कार्ड और नियुक्ति पत्र भी तैयार करा रखा था। आरोपी ने सिंधौरा क्षेत्र के एक युवक से पुलिस में नौकरी दिलाने के नाम पर एक लाख रुपये लेने की बात भी स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक खाकी वर्दी सेट, पुलिस स्टार, बेल्ट, पी–कैप, बैरेट कैप, नेम प्लेट, उत्तर प्रदेश पुलिस बैज, तीन फर्जी पुलिस आईडी कार्ड, नियुक्ति पत्र की प्रति, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन, बैग, पर्स, इयरफोन तथा 1200 रुपये नकद सहित अन्य सामान बरामद किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सधुवन राम गौतम ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना चोलापुर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी के खिलाफ पूर्व से भी दो मुकदमे दर्ज हैं तथा उसके आपराधिक नेटवर्क और अन्य गतिविधियों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत अपराधियों और फर्जी पुलिसकर्मियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई जारी है।

# 4 जुलाई को एचएचआई होटल में सजेगा भव्य उड़ान सावन मेला, हर घंटे होगा लकी ड्रॉ

☐ महिला उद्यमियों को मिलेगा मंच, प्रवेश रहेगा नि:शुल्क; राजबंधु स्वीट्स टाइटल स्पॉन्सर, काशी फॉरेक्स को-स्पॉन्सर

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी**

वाराणसी। महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने और स्थानीय व्यवसायों को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से उड़ान - स्त्रद्ध लह्म्श2 ञ्जशद्दद्गह्लद्धद्गह्म् के तत्वावधान में 4 जुलाई को सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक मलदहिया स्थित एचएचआई होटल में भव्य उड़ान सावन मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में शहरवासियों के लिए प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क (फ्री एंट्री) रहेगा। मेले में हस्तशिल्प, फैशन, वेलरी, होम डेकोर, लाइफस्टाइल, फूड एवं अन्य आकर्षक उत्पादों के अनेक स्टॉल सजेंगे, जहां लोग खरीदारी के साथ सावन के उत्सवी माहौल का आनंद उठा सकेंगे। कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों के लिए आयोजकों की ओर से हर घंटे आकर्षक लकी ड्रॉ भी आयोजित किया जाएगा, जिससे मेले का रोमांच और बढ़ जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, एआरटी कंसल्टेंट तथा वंश फर्टिलिटी एंड टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर एवं आयुष्मान हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. अनु अग्रवाल करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजवादी महिला सभा, उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष ऋभु श्रीवास्तव, काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं चेंजिंग माइंड्स मेंटल हेल्थ केयर तथा आईआईटी-बीएचयू से जुड़े डॉ. लक्ष्मण यादव, बीएनआई वाराणसी के संस्थापक एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आयुष नरसरिया एवं आंचल नरसरिया उपस्थित रहेंगे। इस भव्य मेले का आयोजन सोनम अग्रवाल एवं रश्मि अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य स्थानीय एवं विशेष रूप से महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन, प्रचार और विपणन के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकें। मेले में खरीदारी के साथ मनोरंजन, स्वादिष्ट व्यंजन, सावन थीम पर आधारित आकर्षक सजावट और पारिवारिक माहौल भी प्रमुख आकर्षण होंगे। कार्यक्रम के टाइटल स्पॉन्सर राजबंधु स्वीट्स हैं, जबकि काशी फॉरेक्स इस आयोजन के को-स्पॉन्सर हैं। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस भव्य उड़ान सावन मेला का हिस्सा बनने और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की अपील की है।

## जायंट्स ग्रुप वृंदावन के द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

**तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो**

वृन्दावन। पुष्पा गार्डन में जायंट्स ग्रुप वृंदावन के तत्वावधान में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था राष्ट्र निर्माण में चिकित्सक की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन ग्रुप के अध्यक्ष होशियार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ए. के श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में चिकित्सक की अहम भूमिका है। वह वह रोगियों को निरोग करके उन्हें एक नया जीवन देते हैं।जिससे वह समाज में कार्य करके राष्ट्र को योगदान देते हैं।स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण मे सहायक हो सकते हैं। योगेश गौतम एवं ब्रजेश गिरि ने कहा कि चिकित्सक़ का सम्मान राष्ट्र का सम्मान है।चिकित्सक और मरीज के बीच में विश्वास की डोर बंधी होती है। डी. ओ. ए. एडवोकेट राजीव तिवारी ने कहा कि चिकित्सक का पहला धर्म रोगी के जीवन की रक्षा करना है। कुछ डॉक्टर रोगी के साथ में केवल पैसे लेने के उद्देश्य से जो इलाज करते हैं, वह उनके कार्य के धर्म विरुद्ध है।रोगी नारायण की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। कार्यक्रम के संयोजक देवेंद्र शर्मा ने कहा कि डॉक्टर केवल इलाज ही नहीं करते बल्कि रोगी को उम्मीद विश्वास और जीवन देते हैं। आज ग्रुप के द्वारा एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉक्टर जी. वी. सिंह का राष्ट्रीय चिकित्सक गौरव सम्मान प्रदान करके हम सभी गौरांवित हैं। डॉ. जी.वी. सिंह को जायंट्स ग्रुप ऑफ वृंदावन के द्वारा प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह पट का एवं शॉल भेंट किया गया। डॉ. जी.वी. सिंह ने कहा के मेरा सपना है कि मेरे देश का हर व्यक्ति स्वस्थ हो।मेरा प्रयास है कि मैं अपने पेशे के साथ पूरा पूरा न्याय करूं। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे ग्रुप के अध्यक्ष होशियार सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए कहा के हमारा ग्रुप आगे भी समाज के हर अछे व्यक्तित्व का सम्मान करेगा और समाज सेवा के नए-नए आयाम स्थापित करेगाह्न

## पुण्यतिथि पर समाजवादी चिंतक स्व.बाबू अमरनाथ यादव जी को श्रद्धा सुमन अर्पित

*समाजवादी विचारधारा के मजबूत स्तंभ थे स्व बाबू अमरनाथ जी - रुश्दी मियां*

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई**

मवई अयोध्या। समाजवादी आंदोलन के वरिष्ठ नेता,जनपद अयोध्या की आन,बान और शान व गरीबों,किसानों और मजलूमों की बुलंद आवाज़ रहे स्वर्गीय अमरनाथ यादव जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन किया गया। इस मौके पर पूर्व मंत्री अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां ने कहा कि स्व.अमरनाथ यादव जी समाजवादी विचार धारा के मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों,किसानों, मजदूरों और शोषित वर्ग के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष,सादगी और जनसेवा की भावना आज भी समाजवादी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों पर चलना ही उनके प्रति सची श्रद्धांजलि होगी। उनके पुत्र डॉ.अभिनाश यादव ने अपने पिता को श्रद्धाजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व.बाबू अमरनाथ यादव जी का पूरा जीवन समाजवाद,जनसेवा और सामाजिक न्याय के मूल्यों को समर्पित रहा। उन्होंने हमेशा गरीब,किसान,मजदूर और वंचित वर्ग की आवाज़ को मजबूती से उठाया। उनके आदर्श,संघर्ष और सिद्धांत आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि उनके बताए हुए रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सची श्रद्धांजलि होगी। समाजसेवी दानिश हुसैन ने कहा कि स्व.अमरनाथ यादव जी केवल एक नेता नहीं,बल्कि समाज के हर वर्ग के हितैषी थे। उन्होंने अपने जीवन में लोगों के सुख-दुख को अपना समझा और सदैव न्याय एवं इंसानियत की लड़ाई लड़ी। उनका व्यक्तित्व नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है और समाज उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने स्व.बाबू अमरनाथ यादव जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

# सपा मुखिया अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सेवा व जनकल्याण का अनोखा संदेश

➢ जन्म दिन पर सपा नेताओं ने लगाया नि:शुल्क मेडिकल कैंप,सैकड़ों मरीजों को मिला मुफ्त इलाज

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई**

मवई अयोध्या । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर ब्लॉक मवई क्षेत्र के ग्राम चन्द्रामऊ मंगा में समाजवादी पार्टी के नेता अलाउद्दीन खान एवं नजमुद्दीन खान द्वारा अपने आवास पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशाल नि:शुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया,जिसमें सैकड़ों मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाएं एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.उदय राज द्विवेदी (एमबीबीएस) एवं संजीवनी हॉस्पिटल की चिकित्सकीय टीम उपस्थित रही। चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सलाह दी। इस अवसर पर अखिलेश यादव का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। उपस्थित लोगों के बीच फल,मिठाई एवं समोसों का वितरण किया गया और उनके उत्तम स्वास्थ्य,दीर्घायु एवं उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में विनय तिवारी,रामकृष्ण मिश्र,शिव बहादुर,सर्वेश तिवारी यादव,रामू तिवारी,जैनुल,नफीस खान,आसिफ, हाजी रुखसार,बलराम रावत,दिलशाद,खलीक, शाहबाज,जुबेर,रिहान,मुंतशिफ सहित अनेक वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता, शुभचिंतक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि समाजवादी विचार धारा केवल राजनीति तक सीमित नहीं है,बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाना ही उसका मूल उद्देश्य है। इसी भावना के साथ यह नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

# बरगद संरक्षण के लिए खाकी वर्दीधारी की अनूठी पहल...उन्नाव में चलेगा बरगद बचाओ महाअभियान, 5 हजार बरगद लगाने का संकल्प

**तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो**

उन्नाव। पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय वृक्ष बरगद के संवर्धन को लेकर जनपद में जल्द ही एक व्यापक बरगद लगाओ, बरगद बचाओ अभियान शुरू किया जाएगा। पर्यावरण मित्र और अभियान संयोजक वरिष्ठ उपनिरीक्षक एवं पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा अपूर्व ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बरगद जैसे जीवनदायी विराट वृक्षों का संरक्षण, नए पौधों का रोपण और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।बरगद (वट वृक्ष) सिर्फ एक साधारण पेड़ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और पारिस्थितिकी का एक जीवंत स्तंभ है अपनी विशालता और औषधीय गुणों के कारण इसे भारत का राष्ट्रीय वृक्ष का दर्जा प्राप्त है। इस अभियान के तहत जनपद उन्नाव के प्रत्येक गांव में कम से कम पांच तथा स्कूलों, कार्यालय परिसरों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कम से कम एक बरगद का पौधा लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जनसहयोग से पूरे जिले में 5,000 बरगद के पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया गया है। लोगों को बरगद के धार्मिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व से जोड़ने के लिए शहर से लेकर गांव तक बरगद कथा का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से बरगद के संरक्षण के प्रति समाज को प्रेरित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत गांव और मोहल्ला स्तर पर बरगद बचाओ टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। साथ ही जनपद में पहले से मौजूद बरगद के पुराने वृक्षों की गणना कर उनका संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। पुराने वृक्षों और नए लगाए जाने वाले पौधों की जियो टैगिंग भी कराई जाएगी, जिससे उनका व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार हो सके। अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए विवाह, सगाई, जन्मदिन और अन्य शुभ अवसरों पर बरगद का पौधा उपहार स्वरूप भेंट करने की परंपरा शुरू करने की भी योजना है। सक्रिय सहयोगी पर्यावरण मित्रों के जरिये 1 लाख से अधिक लोगों को व्हाट्सएप के जरिए संदेश भेजकर इस अभियान से जुड़ने की अपील की जायेगी।पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाले पुलिस सब इंस्पेक्टर अनूप कुमार मिश्रा अपूर्व को लोग ट्री मैन ऑफ यूपी, ऑक्सीजन मैन ऑफ यूपी, डॉक्टर ऑफ ट्री और पेड़ वाले पुलिस अंकल जैसे नामों से भी जानते हैं। उनका कहना है कि यदि हर व्यक्ति एक बरगद लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित और स्वछ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस पुण्य कार्य में लोग आस-पास की खाली जमीन का चयन करें और एक बरगद का पौधा लगाकर समाज व पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

## ज़ोन-6 में नगर निगम का बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान, 20 ठेले और 25 अस्थायी दुकानें हटाईं

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। नगर निगम ने ज़ोन-6 क्षेत्र में बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाते हुए विहोप हॉस्पिटल से काकोरी मोड़ तक सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया। कार्रवाई के दौरान 20 ठेले, 15 काउंटर और 25 अस्थायी दुकानों को हटाया गया। अभियान के दौरान नगर निगम ने अतिक्रमणकारियों से 14 हजार रुपये का जुर्माना वसूला, जबकि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों से 32 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा कुड़िया घाट क्षेत्र में भी अतिक्रमण हटाकर सार्वजनिक स्थलों को खाली कराया गया। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# दलितों-आदिवासियों से नफरत करती है भाजपा, 2027 में यूपी और 2029 में केंद्र से सत्ता हटाएंगे- राजेंद्र पाल गौतम

➲ उत्तर प्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी और प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक संपन्न, संगठन विस्तार और चुनावी रणनीति पर मंथन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर दलितों, आदिवासियों और संविधान के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और संघ दलितों तथा आदिवासियों से नफरत करते हैं और सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। राजेंद्र पाल गौतम ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर शिलान्यास के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को आमंत्रित नहीं किया तथा मंदिर उद्घाटन के समय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी नहीं बुलाया, क्योंकि वे दलित और आदिवासी समाज से आते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समानता और सम्मान के आधार पर जनता के बीच

जाएगी तथा भाजपा को राजनीतिक रूप से चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही भाजपा को प्रभावी ढंग से हरा सकती है। उनका दावा था कि कांग्रेस सरकारों के दौरान पेपर लीक जैसी घटनाएं नहीं हुईं। राजेंद्र पाल गौतम ने विश्वास जताते हुए कहा कि कांग्रेस 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी और 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को पराजित कर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी एक माह के भीतर संगठन को पूरी तरह सक्रिय कर देगी। प्रेस वार्ता में राजेंद्र पाल गौतम ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, चुनाव आयोग और जांच एजेंसियों पर दबाव बनाया जा रहा है तथा वे निष्पक्ष तरीके से कार्य नहीं कर पा रहे हैं। उनका आरोप था कि भाजपा शासित राज्यों में संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। उन्होंने अयोध्या में मंदिर निर्माण से जुड़े कथित चंदा गबन प्रकरण का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि वास्तविक दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जा रही है। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि भाजपा सरकार बुलडोजर कार्रवाई गरीबों, पिछड़ों और मुस्लिमों के घरों पर करती है, जबकि यदि चंदा चोरी के आरोप सही हैं तो दोषियों के विरुद्ध भी समान कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण में भारी कमीशनखोरी हुई है तथा लिखित शिकायतों पर भी कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस नेताओं द्वारा आवाज उठाने पर उन्हें नजरबंद किए जाने का भी आरोप लगाया। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि किसी भी आरोपी को दंड देने का अधिकार केवल न्यायपालिका को है। यदि कोई अपराधी है तो उसे कानून के अनुसार गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाना चाहिए। सरकार द्वारा कानून हाथ में लेना संविधान की भावना के विपरीत है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक भी प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें संगठन विस्तार, आगामी चुनावों की रणनीति और राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, राजेश तिवारी, तौकीर आलम, सांसद केएल शर्मा, तनुज पुनिया, उज्ज्वल रमण सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ब्रजलाल खाबरी, विधायक वीरेन्द्र चौधरी, पूर्व सांसद दानिश अली, पूर्व मंत्री नकुल दुबे सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक में भी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसरोकारों के मुद्दों को जनता के बीच ले जाने तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को तेज करने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेशभर के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं संगठन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

# विकसित भारत 2047 में मैन्युफैक्चरिंग की बड़ी भूमिका

⇨ प्लास्टिक-पॉलिमर और 3डी प्रिंटिंग से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ऑटोमोबाइल, ईवी, मेडिकल डिवाइस, सेमीकंडक्टर, रेलवे, रक्षा उत्पादन और नवीकरणीय ऊर्जा में बड़े पैमाने पर आधुनिक विनिर्माण इकाइयां लग रही हैं। इन क्षेत्रों में हल्के, मजबूत और टिकाऊ इंजीनियरिंग प्लास्टिक व उन्नत पॉलिमर का उपयोग तेजी से बढ़ा है। रक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में भी हाई-परफॉर्मेंस प्लास्टिक की मांग बढ़ी है। डिजाइनिंग, प्रोसेसिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग यानी 3डी प्रिंटिंग के लिए कुशल इंजीनियरों की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में 3डी प्रिंटिंग बाजार 20-22 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रहा है और 2028 तक डालर 170-180 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चेम्बर्स ऑफ कामर्स इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) के अनुसार, भारत का 40 बिलियन डालर का प्लास्टिक उद्योग जल्द 100 बिलियन डालर पार करेगा। भारतीय पेट्रोकेमिकल्स रिपोर्ट के मुताबिक प्रति व्यक्ति प्लास्टिक खपत अभी 15 किलो है, जिसके 3 गुना बढ़ने की उम्मीद है। इससे डिज़ाइन,

प्रोसेसिंग, आरएंडडी, रीसाइक्लिंग और ग्रीन-पॉलिमर में रोजगार के व्यापक अवसर बनेंगे। ऑल इण्डिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईपीएमए) के मुताबिक, रीसाइक्लिंग और वेस्ट मैनेजमेंट में हर साल हजारों स्किल्ड प्रोफेशनल्स चाहिए होंगे। आज प्लास्टिक घर की रसोई से लेकर मेट्रो, बुलेट ट्रेन, सौर ऊर्जा, ड्रोन और अंतरिक्ष उपकरण तक हर जगह स्तेमाल हो रहा है। इसी जरूरत को पूरा कर रहा है सिपेट (आईपीटी), लखनऊ। भारत सरकार के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल विभाग के अधीन यह संस्थान विश्वस्तरीय तकनीकी शिक्षा और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण दे रहा है। पिछले तीन सत्रों में यहां के बी.टेक-एम.टेक छात्रों को औसत रुपये 5 लाख और अधिकतम रुपये 9.6 लाख सालाना का पैकेज मिला है। संस्थान के छात्र ऑटोमोबाइल, पेट्रोकेमिकल, मेडिकल डिवाइस, पैकेजिंग और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोकेमिकल एवं पॉलिमर क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा युवाओं को विकसित भारत वर्ष 2047 के निर्माण में भागीदार बना रही है।

# भारतीय लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यशाला-2026 का आयोजन भव्य रूप से संपन्न

⇨ छात्र-छात्राओं ने दीं लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लोक कला हमारी पहचान, संस्कृति हमारा सम्मान की भावना के साथ आर्ट्स एंड कल्चरल सोसाइटी ग्रुप, कल्याणपुर, लखनऊ के तत्वावधान में भारतीय लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यशाला-2026 का सफल आयोजन सीतापुर रोड स्थित इंटर कॉलेज में किया गया। कार्यशाला का कुशल निर्देशन कुमारी कामना बिष्ट ने किया, जबकि सहायक निर्देशन शोभा पटवाल ने संभाला। अनुभवी गुरुओं ने छात्र-छात्राओं को भारत के विभिन्न अंचलों के पारंपरिक लोक नृत्यों की बारीकियों, उनकी सांस्कृतिक महत्ता और प्रस्तुति शैली का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के बाद विद्यार्थियों ने सीखे गए लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी अतिथियों व शिक्षकों का मन मोह लिया। संस्था ने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, प्रतिभागी छात्र-छात्राओं, रंगमंडल ग्रुप के शिष्यों, कलाकारों व गुरुओं का आभार जताया। संस्था का कहना है कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। आर्ट्स एंड कल्चरल सोसाइटी ग्रुप ने भविष्य में भी लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए इस तरह की कार्यशालाएं निरंतर आयोजित करने का भरोसा दिया।

# सीएम योगी शुक्रवार को करेंगे 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026' का शुभारंभ, 800 से अधिक प्रजातियों का होगा प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026' का शुभारंभ करेंगे। यह महोत्सव 3 से 5 जुलाई तक आयोजित होगा, जिसमें 7 श्रेणियों और 56 वर्गों में 800 से अधिक आम की प्रजातियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसकी जानकारी उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई को पहली बार लखनऊ के जन भवन में आम क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य बागवानों को सीधे बाजार से जोड़ना और आम के व्यापार को नई गति देना है। महोत्सव में उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के उद्यान विभागों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील बागवान तथा निर्यातक भाग लेंगे। प्रदर्शन के लिए रखे गए आम के कलमी पौधे बिक्री के लिए भी उपलब्ध

होंगे। मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे महोत्सव में आकर कम से कम एक पौधा अवश्य खरीदें और उसका रोपण करें। महोत्सव में बच्चों के लिए आम खाने की प्रतियोगिता, आम से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता तथा बागवानों के लिए उन्नत तकनीक, तुड़ाई उपरांत प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण और विपणन विषयक कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश 3.27 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 61.96 लाख मीट्रिक टन उत्पादन के साथ देश का सबसे बड़ा आम उत्पादक राज्य है, जो राष्ट्रीय उत्पादन का 26.22 प्रतिशत है। दशहरी, लंगड़ा, चौसा, गौरजीत, लखनऊ सफेदा, रटौल और आम्रपाली जैसी प्रजातियां प्रदेश की पहचान हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश से आम और आम पल्प के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में 404 मीट्रिक टन आम एवं पल्प का 2.63 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था, जबकि वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 3,563 मीट्रिक टन और 12.67 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। उत्तर प्रदेश का आम यूनाइटेड किंगडम, यूएई, सऊदी अरब, मलेशिया, सिंगापुर, कुवैत, न्यूजीलैंड, बेल्जियम, जापान, इटली, कतर और रूस सहित कई देशों में निर्यात किया जा रहा है। इस वर्ष भी महोत्सव के दौरान अन्य देशों को आम भेजे जाएंगे। मंत्री ने बताया कि लखनऊ, सहारनपुर, वाराणसी और अमरोहा में आधुनिक मैंगो पैक हाउस स्थापित किए गए हैं, जहां अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आम की प्री-प्रोसेसिंग और उपचार किया जा रहा है। वहीं, जेवर एयरपोर्ट के निकट फलों की टेस्टिंग एवं ट्रीटमेंट सेंटर का निर्माण भी प्रगति पर है, जिससे भविष्य में प्रदेश के औद्यानिक उत्पादों के निर्यात को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि किसानों को आम की गुणवत्ता सुधारने तथा कीट एवं रोगों से बचाव के लिए इस वर्ष करीब 1.50 करोड़ फ्रूट कवर बैग वितरित किए गए हैं। साथ ही पुराने एवं अनुत्पादक बागों के कैनोपी प्रबंधन के लिए प्रति हेक्टेयर लागत पर 40 प्रतिशत तक अनुदान भी दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि योगी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश का आम गुणवत्ता, ब्रांडिंग और निर्यात के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है तथा यह महोत्सव प्रदेश के बागवानों और आम उद्योग के लिए नए अवसर लेकर आएगा।

## समाचार

### कैसरबाग में फैसाड लाइट चोरी करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कैसरबाग थाना पुलिस ने चोरी की एक बड़ी घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर मकबरा सादत अली खान परिसर से कीमती फैसाड लाइटें चोरी करने का आरोप है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 16 मई 2026 को रिजवान हुसैन नामक व्यक्ति ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मकबरा सादत अली खान परिसर से फैसाड लाइटें चोरी होने की सूचना दर्ज कराई थी। इस मामले में कैसरबाग थाने में मुकदमा संख्या 87/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि चोरी की घटना को अंजाम देने वाला आरोपी ग्लोब पार्क के पास घूम रहा है। सूचना मिलते ही कैसरबाग पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम अंशु कश्यप, पुत्र स्वबलवरिया, निवासी कुतुबपुर मनकामेश्वर मंदिर के पीछे, थाना हसनगंज, लखनऊ बताया है। आरोपी की उम्र करीब 19 वर्ष है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी अंशु कश्यप ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों, अल्तमश और सोहेल के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस की सख्ती के बाद उसने अपनी निशानदेही पर हनुमान सेतु मंदिर के पास पुल के नीचे से चोरी की गई पांच फैसाड लाइटें फिलिप्स कंपनी बरामद कराईं। आरोपी ने खुलासा किया कि वह और उसके साथी सड़क किनारे सो रहे मजदूरों या अन्य लोगों का कीमती सामान और नकदी चुराकर नशा करने व अपनी ऐश-ओ-आराम की जरूरतें पूरी करते हैं। उसने यह भी बताया कि इससे पहले सादत अली मकबरे के अंदर हुई लाइट चोरी में भी वह शामिल था, जिसमें उसके साथी अल्तमश और सोहेल पहले ही पकड़े जा चुके हैं। गिरफ्तारी के डर से वह काफी समय तक फरार रहा, लेकिन आज दोबारा किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूमते हुए पुलिस के हत्थे चढ़ गया। कैसरबाग पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्त को संबंधित धाराओं में गिरफ्तार कर लिया है। आज 02 जुलाई 2026 उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस टीम की इस मुस्तैदी से क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह के एक और सदस्य पर शिकंजा कसा गया है।

### इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भारत टैक्सी के सीईओ विवेक पांडे ने साझा की कंपनी की भावी योजनाएं

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान भारत टैक्सी के सीईओ विवेक पांडे ने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य देशभर में सुरक्षित, विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण टैक्सी सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि कंपनी आधुनिक तकनीक के माध्यम से यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए लगातार नए नवाचार कर रही है। विवेक पांडे ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य अधिक से अधिक शहरों में अपनी सेवाओं का विस्तार करना, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना तथा ड्राइवर साझेदारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों की सुरक्षा, समयबद्ध सेवा और पारदर्शिता भारत टैक्सी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल इंडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कंपनी अपनी ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली को और अधिक सरल एवं प्रभावी बना रही है, ताकि यात्रियों को कम समय में बेहतर सेवा मिल सके। साथ ही कंपनी ग्राहक संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपनी सेवाओं में निरंतर सुधार कर रही है।

### अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मेडलिस्ट मोनिका चौधरी ने पति पर जानलेवा हमले का लगाया आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी के बीबीडी थाना क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मेडलिस्ट मोनिका चौधरी ने अपने पति पर जानलेवा हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि 30 जून को एक फार्म हाउस में उनके पति ने कथित तौर पर शराब के नशे में उनके साथ मारपीट की और जान से मारने का प्रयास किया। मोनिका चौधरी के अनुसार, घटना उनके पांच वर्षीय बेटे के सामने हुई और पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है। उन्होंने पुलिस से 30 जून को शाम 4:00 बजे से 5:20 बजे तक के सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने की मांग की है, ताकि जांच में सच्चाई सामने आ सके। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उनके पति दूसरी महिला के साथ रह रहे हैं तथा उन्हें अपनी जान का खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2016 से ससुराल पक्ष द्वारा लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जाती रही है। मोनिका चौधरी का कहना है कि वर्ष 2022 में भी उनके साथ मारपीट हुई थी। उस समय शिकायत दर्ज कराने और मेडिकल परीक्षण होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। पीड़िता ने पुलिस आयुक्त और बीबीडी थाना पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। यह मामला एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा और न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। सरकार जहां महिला सशक्तिकरण और महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात करती है, वहीं ऐसे मामलों में समयबद्ध और निष्पक्ष कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

# चिकित्सा जगत में विशिष्ट पहचान बनाने वाले ज्ञ प्रो. (डॉ.) राजेश हर्षवर्धन सम्मानित

● अंगदान अभियान के अग्रणी भूमिका के लिए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा 'स्वास्थ्य उत्कृष्टता सम्मान' से सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। चिकित्सा प्रशासन, स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रो. (डॉ.) राजेश हर्षवर्धन ने अपनी बहुआयामी प्रतिभा और उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता के बल पर देश के अग्रणी स्वास्थ्य विशेषज्ञों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। वे वर्तमान में एसजीपीजीआई, लखनऊ में चिकित्सा अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। साथ ही अस्पताल प्रशासन विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्य, एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक तथा संस्थान में सब डीन के रूप में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए उन्हें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा प्रदत्त 'स्वास्थ्य उत्कृष्टता सम्मान' से भी सम्मानित किया गया है। इसके अलावा भारत सरकार, दिल्ली सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार सहित अनेक प्रतिष्ठित

संस्थाओं ने समय-समय पर उनके उल्लेखनीय कार्यों का सम्मान किया है। डॉ. रमेश चंद्र द्विवेदी एवं शांति द्विवेदी के ज्येष्ठ पुत्र प्रो. (डॉ.) राजेश हर्षवर्धन ने एमबीबीएस में टॉपर रहते हुए चिकित्सा शिक्षा पूरी की और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली से एमडी हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन की उपाधि प्राप्त की। इसके अतिरिक्त उन्होंने डीएनबी, एमपीएच, एलएलबी, पीएचडी, एमएनएएमएस, डीएमएलई, डीजीएम एवं पीजीडीएचए जैसी अनेक प्रतिष्ठित डिग्रियां अर्जित की हैं, जो उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचायक हैं। स्वास्थ्य प्रशासन में उनकी दक्षता केवल संस्थागत दायित्वों तक सीमित नहीं है। वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन में संयुक्त निदेशक तथा उत्तर प्रदेश सेंटर फॉर रिसर्च एंड मेडिकल एजुकेशन में सहायक निदेशक के रूप में भी महत्वपूर्ण दायित्व निभा रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा, अस्पतालों की गुणवत्ता, मान्यता (एक्रिडिटेशन) तथा स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में उनका योगदान उल्लेखनीय माना जाता है। प्रो. (डॉ.) राजेश हर्षवर्धन इससे पूर्व कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान, लखनऊ में चिकित्सा अधीक्षक एवं कार्यकारी कुलसचिव के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वे इंडियन एकेडमी ऑफ माइंड बॉडी मेडिसिन के अध्यक्ष भी हैं। प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ साहित्य के प्रति भी उनकी गहरी रुचि है। वे समसामयिक विषयों एवं कविता लेखन में सक्रिय हैं। उनके नाम लगभग 100 वैज्ञानिक शोध-पत्र, अनेक पुस्तकें तथा विभिन्न पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय दर्ज हैं। अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए उनका निरंतर प्रयास उन्हें चिकित्सा और समाज सेवा दोनों क्षेत्रों में एक प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व के रूप में स्थापित करता है।

# गौतम बुद्ध शांति उपवन-1 का भव्य लोकार्पण, क्षेत्रवासियों को मिली नई सौगात

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आशियाना स्थित गौतम बुद्ध शांति उपवन-1 (एडवेंचर थीम पार्क) का भव्य उद्घाटन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान पार्क को जनता को समर्पित करते हुए इसे क्षेत्र के सौंदर्यीकरण एवं नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद धनंजय सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में अरविन्द त्रिपाठी गुड्डू भैया पूर्व सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह (एम.एल.सी.), राष्ट्रीय नौजवान सभा के अध्यक्ष नवीन सिंह तथा एम.एल.सी. विनीत सिंह शामिल रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर पार्क का लोकार्पण किया। अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि ऐसे पार्क न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हैं, बल्कि बच्चों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वस्थ मनोरंजन और सामाजिक मेल-मिलाप का भी महत्वपूर्ण केंद्र बनते हैं। उन्होंने नागरिकों से पार्क की स्वच्छता एवं संरक्षण में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बलबिंदर सिंह मान, आशीष कुमार, रजनीश टंडोरिया, , विधू शेखर त्रिपाठी राजपूत सिंह एवं सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आयोजक सिद्धार्थ जैन, पंकज सिंह ने अतिथियों के सम्मान एवं सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ किया।

# पावर कॉरपोरेशन और निविदा संविदा कर्मचारी संघ के बीच हुई वार्ता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। कर्मचारी नेता देवेन्द्र पाण्डेय नें बताया कि प्रबन्ध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड शक्ति भवन लखनऊ कि अध्यक्षता में पावर कार्पोरेशन प्रबंधन व संगठन पदाधिकारियों के बीच सुबह 11:00 बजे बैठक वार्ता शुरू हुई जो दोपहर 12:00 बजे तक चली जिसमें निम्न बिंदुओं पर सहमति बनी। 1- विद्युत उपकेंद्रों के परिचालन कार्य हेतु प्रत्येक विद्युत उपकेंद्र पर 04 संविदा उपकेंद्र परिचालक व 02 परिचालक सहायक तैनात किया जाएगा। 2- प्रत्येक विद्युत उपकेन्द्र पर आउटगोइंग फिडरो के अनुपात में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी, जिसमें हटाए गये कर्मचारियों को ही कार्य पर वापस लिया जाएगा। 3- अकुशल कर्मचारियों से लाइन का कार्य नहीं कराया जाएगा तथा दबाव बनाकर कार्य कराने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। 4- मानक समिति कि रिपोर्ट के सम्बन्ध में अध्यक्ष महोदय से वार्ता करने के बाद अवगत कराया जाएगा तथा मानक समिति के गठन के बाद लखनऊ, अयोध्या, बस्ती आदि जनपदों से हटाए गए कर्मचारियों को कार्य पर वापस लिया जाएगा। 5- कार्य के अनुरूप अनुबंध किया जाएगा। 6-उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन एवं वितरण निगमो को आउटसोर्स सेवा निगम में शामिल करने कि मांग पर सहमति नहीं बनी। 7- प्रत्येक विद्युत उपकेन्द्र पर ड्यूटी चार्ट चस्पा कराया जाएगा। 8- कुशीनगर जनपद से मार्च 2023 में हटाए गए कर्मचारियों के बकाए वेतन का भुगतान कराया जाएगा। 9-मई 2025 में आन्दोलन के दौरान हटाए कर्मचारियों में से शेष बचे 44 कर्मचारियों को कार्य पर वापस लिया जाएगा। 10-फेस अटेंडेंस न लगने के कारण जिन कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं हुआ है उनके वेतन का भुगतान कराया जाएगा। 11- आउटसोर्स कर्मचारियों को 60 वर्ष कि आयु तक कार्य करने कि अनुमति देने कि मांग पर सहमति नहीं बनी। 12- उच्च न्यायालय के आदेश का उलंघन कर सीतापुर जनपद में स्थानांतरित किए गए कर्मचारियों के स्थानांतरण को स्थगित किया जाएगा। 13- मेसर्स एस के इलेक्ट्रिकल्स व मेसर्स साधना सिक्योरिटी सॉल्यूशन द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के ई पी एफ में किए गए घोटाले की रकम को उनके जप्त प्रतिभूति से कटौती कर कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा कराया जाएगा। 14-अन्य आउटसोर्स कर्मचारियों कि भांति मीटर रीडरों को वेतन, ई पी एफ व ई एस आई का लाभ देने की मांग पर सहमति नहीं बनी। देवेन्द्र पाण्डेय नें बताया कि वार्ता में प्रबन्धन के तरफ से प्रबन्ध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड शक्ति भवन लखनऊ, निदेशक ( का. प्र. एवं प्रशा.) शक्ति भवन लखनऊ,जी एम (आई आर) शक्ति भवन लखनऊ, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शक्ति भवन लखनऊ, निदेशक (का. प्र एवं. प्रशा.) मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड गोखले मार्ग लखनऊ एवं कार्मिक अधिकारी, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड गोखले मार्ग लखनऊ तथा संगठन के तरफ से प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद, प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पाण्डेय, प्रदेश संगठन मंत्री हरीश चंद्र यादव, कार्यकारिणी सदस्य सुरेन्द्र बाजपेई व विनोद श्रीवास्तव मौजूद रहे।

# संपादकीय

## सिलैक्टिव आक्रोश से कांग्रेस का इतिहास नहीं मिट सकता

गाजा पर सोनिया गांधी का लेख नैतिकता का पाठ नहीं, बल्कि चयनात्मक आक्रोश का एक जीवंत उदाहरण है। भारत को मानवाधिकारों का उपदेश देने से पहले कांग्रेस नेतृत्व को स्वतंत्र भारत के सबसे काले अध्यायों में से एक, 1984 के सिख विरोधी नरसंहार और उसके बाद पंजाब में वर्षों तक चले दर्द और पीड़ा का जवाब देना चाहिए। नवम्बर 1984 में हजारों निर्दोष सिखों की निर्मम हत्या कर दी गई। लोगों को उनके घरों से घसीटकर बाहर निकाला गया, लोहे के सरियों से पीटा गया, उन पर मिट्टी का तेल डालकर जिंदा जला दिया गया। पूरे के पूरे परिवार समाप्त कर दिए गए। गुरुद्वारों का अपमान किया गया, घरों और दुकानों को लूटकर आग के हवाले कर दिया गया। बच्चों ने अपने पिता को भीड़ द्वारा मारते हुए देखा, माताओं ने अपने बेटों को अपनी आंखों के सामने मरते देखा। हजारों महिलाएं एक ही रात में विधवा हो गई और अनेक जीवित बचे लोगों ने भयावह यौन दुर्व्यवहार की ऐसी कहानियां सुनाई, जिनके शारीरिक और मानसिक घाव आज तक नहीं भरे हैं। गाजा के लिए आंसू बहाने से पहले सोनिया गांधी स्वयं से एक प्रश्न पूछें-क्या उन्होंने कभी सतनामी बाई के आंसू पोंछने की कोशिश की है? सतनामी बाई की गवाही 1984 के सिख विरोधी नरसंहार की सबसे हृदयविदारक गवाहियों में से एक है। 1 नवम्बर, 1984 को त्रिलोकपुरी में उन्होंने अपनी आंखों के सामने अपने पति मोहन सिंह, जो एक गरीब ऑटो-रिक्शा चालक थे, को लोहे के सरियों से पीट-पीटकर और जिंदा जलाकर मार डाले जाते देखा, जबकि उनकी गोद में उनकी नवजात बेटी थी। उस समय जब कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी, उन्होंने और अनेक अन्य सिख महिलाओं ने बाद में भीड़ द्वारा किए गए भयावह यौन अत्याचारों का वर्णन किया। उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। क्या सोनिया गांधी ने कभी सार्वजनिक रूप से सतनामी बाई का नाम लिया? क्या वह कभी उनसे मिलीं, उन्हें गले लगाया या 1984 में सिख महिलाओं पर हुए अकल्पनीय अत्याचारों पर गहरा दुख व्यक्त किया? क्या उन्होंने कभी प्रत्येक पीड़ित को पूर्ण न्याय दिलाने की मांग की? दिल्ली में यह भयावहता समाप्त नहीं हुई। इसके बाद पंजाब वर्षों तक खून से लथपथ रहा। एक पूरी पीढ़ी आतंकवाद और आतंकवाद-रोधी अभियानों के बीच बड़ी हुई। हजारों परिवार अपने उन बेटों की तलाश करते रहे, जो कभी वापस नहीं लौटे। जबरन गायब किए जाने, अवैध अंतिम संस्कार, हिरासत में यातना और फर्जी मुठभेड़ों के आरोपों ने पंजाब के इतिहास पर गहरे घाव छोड़े। जत्थेदार गुरदेव सिंह कौंके की हिरासत में हत्या आज भी उस दौर के सबसे दर्दनाक प्रतीकों में से एक है। भारत के सबसे राष्ट्रवादी और देशभक्त समुदायों में से एक, सिख समुदाय, जिसने देश की आजादी, एकता और सुरक्षा के लिए अतुलनीय बलिदान दिए, उसे आतंकवादियों की करतूतों के कारण संदेह की दृष्टि से देखा गया। जिस समुदाय ने भारत को अनगिनत शहीद दिए, उसी समुदाय को ऐसे बोझ का सामना करना पड़ा जिसका वह कभी दोषी नहीं था। सोनिया गांधी को अपने दिवंगत पति राजीव गांधी का वह बयान भी याद रखना चाहिए, जो उन्होंने 1984 की हिंसा के बाद दिया था- 'जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है।' इस बयान की व्यापक रूप से आलोचना हुई क्योंकि इसे उस भीषण दुर्व्यवहार को उचित ठहराने या उसकी गंभीरता को कम करके दिखाने के रूप में देखा गया। असंख्य सिख परिवारों के लिए यह बयान कांग्रेस की उस विफलता का प्रतीक बन गया, जिसमें उसने पीड़ितों के साथ बिना किसी शर्त के खड़े होने का नैतिक साहस नहीं दिखाया। नरसंहार के बाद भी कांग्रेस की राजनीतिक भाषा और उसके कुछ चुनावी विज्ञापन, जिन्हें अनेक सिखों ने समुदाय को राष्ट्रीय सुरक्षा और भय के चश्मे से देखने का प्रयास माना, ने घाव भरने की बजाय अलगाव की भावना को और गहरा किया। और आज वही सोनिया गांधी गाजा के मुद्दे पर नैतिकता का सर्वोच्च मंच ग्रहण करने का प्रयास कर रही हैं।

## डाक्टर- भगवान या दुकानदार

एक जुलाई को 'डॉक्टर दिवस' था। ये दिवस कौन तय करता है अथवा यह भी धंधे की एक रणनीति है, हम नहीं जानते, लेकिन भारत में आम धारणा है कि डॉक्टर 'भगवान का ही रूप' है। भगवान तो अतिशयोक्ति है, हम 'जीवनदाता' तो मान सकते हैं। जब इनसान की आखिरी सांस भी उखडने लगती है और सामने मौत की छाया महसूस होने लगती है, तब एक डॉक्टर का जज्बा और जिद उस जिंदगी को बचाते हैं। जिस महिला की कोख नौ बार उजड़ चुकी हो, उस गरीब और असहाय महिला का इलाज डॉक्टर ने अपने संसाधनों के बूते किया और उस महिला के आंगन में बेटी की किलकारियां गूंजीं। एक शिशु जन्म के बाद रोया नहीं और निमोनिया का भी शिकार हो गया। उसकी सांस और आहार नलियों में भी विसंगतियां थीं। सांस धौंकनी की तरह चलने लगती थी। एक डॉक्टर ने ही ऑपरेशन किए और आज ऐसे बच्चे 'युवा' हो चुके हैं। नई जिंदगी देने के ऐसे असंख्य उदाहरण हैं। बेशक डॉक्टर की पढ़ाई और प्रशिक्षण ऐसे हैं कि वे 'जीवनदाता' साबित होते रहे हैं, लेकिन यह भी कल्पना करें कि जिन जिंदगियों को अस्पताल में उपचार नहीं मिला और न ही ऐसा 'जीवनदाता' मिल पाया, उनके लिए तो मौत एक भयानक यथार्थ है। 'रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया' ने बीती 10 मई को एक 'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम' (एसआरएस) के जरिए सर्वेक्षण कराया था। उसके स्वास्थ्य और जनसंख्या संबंधित निष्कर्ष और आंकड़े बेहद डरावने हैं। हालांकि यह सर्वेक्षण 2024 के आंकड़ों पर आधारित था, फिर भी उसके निष्कर्ष भयावह हैं। डॉक्टरी या अस्पताल की सहायता नहीं मिल पाने के कारण मौतों का डाटा दोगुना से अधिक हो गया है। 2020 तक ऐसी मौतों का अनुपात 18 फीसदी था, लेकिन 2024 में यह आंकड़ा बढ़ कर 45.05 फीसदी हो गया है। बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में यह आंकड़ा 60 फीसदी को भी पार कर चुका था। केरल में यह आंकड़ा 26.08 फीसदी था, जो पुराने राष्ट्रीय औसत 18 फीसदी से भी अधिक है। यह कैसा देश है? ये मौतें इलाज के बिना हो रही हैं, जो बेहद त्रासद है। यह स्थिति तब है, जब मोदी सरकार की 'आयुष्मान भारत' योजना लगभग देश भर में लागू है और उसे दुनिया की सबसे बड़ी और व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के तौर पर प्रचारित किया जाता रहा है। दरअसल 'आयुष्मान भारत' एक अर्द्धसत्य है, जिसे वे जानते होंगे, जो उस कार्ड के धारक हैं। यह कार्ड सिर्फ ऑपरेशन, शरीर की चीरा-फाड़ी, में ही प्रभावी है। यदि आप रूटीन की, पुरानी बीमारियों के संदर्भ में, किसी डॉक्टर की सलाह लेना चाहते हैं, तो आपको उसकी महंगी फीस अदा करनी पड़ेगी। दवाओं का खर्च अलगज! यहां सवाल है कि भारत में इतनी मौतें क्यों हो रही हैं? क्योंकि अस्पताल और डॉक्टर आम आदमी को उपलब्ध नहीं हैं। वे इतने महंगे, लालची, जेबकाटू और दुकानदार किस्म के हो गए हैं कि औसत गरीब इनका इलाज वहन नहीं कर सकता। अस्पताल में एक बार जाएं, तो वहां एमआरआई, सीटी स्कैन, फेफड़ों और गुर्दों के टेस्ट, दिल के टेस्ट जरूर किए जाएंगे, बेशक उनकी जरूरत हो या न हो। अस्पताल बाहर कराए हुए टेस्ट को मान्यता ही नहीं देते। भारत की व्यवस्था में डॉक्टरों को 'मोटे वेतन' दिए जाते हैं और उनके कोटे तय किए जाते हैं कि आप इतने मरीजों को ऑपरेट जरूर करेंगे। कई जगह तो ऐसे डॉक्टरों की तनख्वाह सरकार के कैबिनेट सचिव से भी अधिक होती है। सरकार डॉक्टर की पढ़ाई पर सबसिडी भी देती है। क्या दुकानदार बनने के लिए इतना खर्च किया जाता है? इसमें अपवाद भी हैं, जो वाकई 'जीवनदाता' हैं। मप्र के इंदौर में एक न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर हैं, जिनसे मुलाकात की प्रतीक्षा-सूची 3-4 माह की है। उनकी एक बार की, सप्ताह तक लागू, फीस 3500 रुपए है, जबकि औसत विशेषज्ञ डॉक्टर की फीस 1200-1500 रुपए है।

# मंदिर के चढ़ावे से विपक्षी सांसदों तक डाकेजनी!

> "अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा डकैती कांड का ऊंट आखिरकार किस करवट बैठेगा, यह अभी कहना मुश्किल है। इस कांड के सूत्र जिस तरह से खुल रहे हैं और धीरे-धीरे नहीं बल्कि तेजी से प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए इस पूरे मामले की ईमानदारी से तथा गहरी जांच-पड़ताल होने और छोटे-बड़े सभी दोषियों को सजा दिलाए जाने की उम्मीद शायद ही किसी को होगी।"

राजेंद्र शर्मा

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा डकैती कांड का ऊंट आखिरकार किस करवट बैठेगा, यह अभी कहना मुश्किल है। इस कांड के सूत्र जिस तरह से खुल रहे हैं और धीरे-धीरे नहीं बल्कि तेजी से प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए इस पूरे मामले की ईमानदारी से तथा गहरी जांच-पड़ताल होने और छोटे-बड़े सभी दोषियों को सजा दिलाए जाने की उम्मीद शायद ही किसी को होगी। आम धारणा तो यही है कि यह कांड इतना बड़ा हो गया है तो, छोटी-छोटी मछलियां जरूर जाल में पकड़ी जाएंगी, लेकिन मगरमच्छों को बचा दिया जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य कर्ताधर्ता माने जाने वाले चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफा देकर खुद को इस कांड से अलग कर लेने और मंदिर ट्रस्ट के 8 छोटे कारकूनों के खिलाफ कथित रूप से ट्रस्ट की शिकायत के आधार पर, जो कि योगी सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद करायी गयी, एफआईआर दर्ज किए जाने और उनके ठिकानों पर छापेमारी, जब्ती आदि और उनकी गिरफ्तारियों से, चढ़ावे में चोरी के शिकार, रामलला को न्याय मिलने की उम्मीदें नहीं बढ़ी हैं। दूसरी ओर, लूट कांड पर से पर्दा हटना शुरू होने के बाद से, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की सक्रियता ने, सत्ताधारी डबल इंजन सरकार के दो इंजनों के बीच खींच-तान की अटकलों को और बल दे दिया है। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि राम

मंदिर के संचालन के तंत्र के विशेष रूप से उच्चतर हलके, जिसमें ट्रस्टी आदि आते हैं, केंद्र वाले इंजन द्वारा चुन-चुनकर वहां बैठाए गए हैं और उनकी वफादारी सबसे बढ़कर प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रति है। चंपत राय तो प्रधानमंत्री मोदी को विष्णु का अवतारश् घोषित कर, इसकी पुष्टि भी कर चुके हैं। स्वाभाविक रूप से मुख्यमंत्री योगी इस स्थिति को लेकर सहज नहीं हैं, जो उन्हें अपने अधिकार क्षेत्र में अनुचित अतिक्रमण जैसी लगती है। इसीलिए, उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य के अनेक प्रेक्षकों को लगता है कि इस कांड पर से मीडिया के एक हिस्से द्वारा पर्दा उठाए जाने के बाद से, एसआईटी के गठन में तत्परता समेत योगी सरकार की सक्रियता, सिर्फसत्ताधारी भाजपा के मुख्यमंत्री के नाते डैमेज कंट्रोल करने की उनकी चिंता को ही नहीं दिखाती है। इसके पीछे, केंद्रीय हस्तक्षेप के औजारों का रास्ता मुश्किल बनाने की कोशिश भी है। इस धारणा को इस तथ्य से भी बल मिलता है कि बाबरी मस्जिद-रामजन्म भूमि विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से विशाल राम मंदिर बनने का रास्ता साफहोने के बाद से ही, मंदिर के निर्माण से संबंधित निर्णयों पर बार-बार विवाद उठते रहे थे, जिनमें प्रस्तावित मंदिर के आस-पास के इलाकों में जमीनों की खरीद-बिक्री में बेहिसाब कमाई से लेकर, मंदिर निर्माण में कमीशनखोरी तक के आरोप शामिल थे। वृहत मंदिर परियोजना के लिए तिगुने-चौगुने से भी ज्यादा दामों पर जमीनों की खरीद को लेकर मीडिया में काफी शोर भी मचा था और विपक्षी राजनीतिक पार्टियों ने भी इन गड़बड़ियों को उठाया था। इसके बावजूद, योगी सरकार ने इससे पहले कभी इन आरोपों की जांच कराना तो दूर, उनका नोटिस तक लेना जरूरी नहीं समझा था। इसलिए, इस बार के भंडाफोड़ के बाद योगी सरकार द्वारा दिखाई गयी सक्रियता को बहुत से लोग, केंद्र तथा योगी और खासतौर पर अमित शाह और योगी के बीच, योगी के वर्तमान कार्यकाल के बड़े हिस्से में और खासतौर 2024 के आम चुनाव के बाद से, बिना ज्यादा पर्दे के चलते आए, शह-मात के खेल में, योगी के अपनी स्थिति मजबूत करने के पैंतरे के रूप में देख रहे हैं। संभवतः इसीलिए,

इस पूरे घटनाक्रम से जुड़कर, किंतु इसके हाशिए पर उत्तर प्रदेश में जो कुछ हो रहा था, वह भी कम दिलचस्प नहीं है। याद रहे कि इस रामलला लूट कांड पर से पर्दा उठाने में, उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी, सपा की अग्रणी भूमिका रही है। पहले, समाजवादी पार्टी के एक मंझले स्थानीय नेता, पवन पांडेय ने इस घोटाले का मुद्दा उठाया था। सोशल मीडिया में इस संबंध में चर्चाओं के जोर पकड़ने के बाद, अप्रत्याशित रूप से सत्ताधारी भाजपा के समर्थक माने जाने वाले, एक प्रमुख हिंदी दैनिक ने इस भंडाफोड़ को आगे बढ़ाया। और इसके बाद, सपा अध्यक्ष, अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को उठाकर, सारे देश के ही ध्यान में ला दिया। बहरहाल, जब इस मंदिर के चंदाचोरी का भंडाफोड़ अपने शुरूआती दौर में ही था, उसी दौरान भाजपा के और सुहेलदेव समाज जैसी उसकी सहयोगी पार्टियों के कुछ नेताओं ने, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी में बड़ी फूट पड़ने और उसके 25-26 सांसदों के पार्टी से अलग होने की तैयारियां कर रहे होने के दावे करने शुरू कर दिए। ये दावे करने वालों में प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मौर्य और मंत्री ओपी राजभर के नाम सबसे प्रमुख थे। ये दावे प. बंगाल से तृणमूल कांग्रेस के कुल 27 में से 20 लोकसभा सदस्यों को, भाजपा की वृहत्तर कार्ययोजना के तहत तोड़े जाने और उनका एक अज्ञात साइन बोर्ड पार्टी के साथ विलय कराए जाने और उसके फौरन बाद, महाराष्ट्र में शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे) के छरू सांसदों को तोड़कर, उनका शिव सेना से ही टूटकर अलग हुए, भाजपा के सहयोगी शिंदे गुट में विलय कराने की तैयारियों के बीच, किए जा रहे थे। इससे यह सब एक वृहत्तर योजना का हिस्सा बन जाता है। यह वृहत्तर योजना है, महिला आरक्षण के लागू होने का रास्ता बनाए जाने की आड़ में, लोकसभा की सीटों की संख्या डेढ़ गुनी करते हुए, संसदीय क्षेत्रों के नये परिसीमन को थोपने की। याद रहे कि बजट सत्र के आखिर में भाजपा ने, विपक्ष से किसी प्रकार की चर्चा किए बिना, इसके लिए संविधान संशोधन विधेयक को एक प्रकार से धक्के से पारित कराने की कोशिश की थी। लेकिन, विपक्ष के एकजुट विरोध के सामने यह कोशिश विफल हो गयी क्योंकि सत्ताधारी भाजपा और उसके सहयोगी मिलकर भी, संविधान संशोधन प्रस्ताव पारित कराने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत से काफी पीछे रह गए।

# लैरी द कैट और प्रधानमंत्री मोदी

सर्वमित्रा सुरजन

ब्रिटेन में पिछले सात सालों में छह प्रधानमंत्री बदल चुके हैं। हाल ही में कीर स्टार्मर ने भी पद छोड़ दिया है। इस्तीफा देने के बाद प्रधानमंत्री आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं। फिलहाल वे नए प्रधानमंत्री के चयन तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री का पद संभालते रहेंगे। गौरतलब है कि स्टार्मर जुलाई 2024 के आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता में आए थे। उस समय लेबर पार्टी ने भारी बहुमत हासिल किया था और उनसे बड़े बदलावों की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन जल्द ही उनकी सरकार कई विवादों और राजनीतिक चुनौतियों से घिर गई। सरकार की कर नीति, सामाजिक कल्याण योजनाओं में बदलाव, आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियां और एपस्टीन फाइल्स में अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत लॉर्ड पीटर मैंडेलसन का नाम आना, जैसे मुद्दों के कारण लगातार आलोचना का कारण बनीं। वैश्विक हालात में बढ़ती चुनौतियां और देश में सरकार की घटती लोकप्रियता ने सत्ता से उनकी विदाई का रास्ता बनाया। अब स्टार्मर के बाद फिलहाल एंडी बर्नहम का नाम प्रधानमंत्री पद की दौड़ में सबसे ऊपर है। बर्नहम अगर इस पद पर बैठते हैं तो देखना होगा कि तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए क्या वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। ब्रिटेन की शासन व्यवस्था में निचले सदन यानी हाउस ऑफकॉमन्स के चुनाव पांच साल में होते हैं, और इसमें बहुमत पाने वाला दल ही सरकार बनाता है। इस दल के नेता यानी प्रधानमंत्री को यह अधिकार होता है कि वे 5 साल का कार्यकाल पूरा होने से पहले भी राजा को सलाह देकर संसद भंग करवा सकते हैं और नए चुनाव की घोषणा कर सकते हैं। ब्रिटेन में एक के बाद एक प्रधानमंत्रियों के इस्तीफे का मजाक सोशल मीडिया पर खूब बनाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि जिन लोगों ने दुनिया भर पर राज किया और कई बार दावा किया कि हमने इन्हें शासन करना सिखाया, उनसे आज अपनी ही सत्ता नहीं संभाली जा रही हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आवास में पिछले 15 साल से बनी हुई लैरी नाम की बिल्ली भी खूब चर्चा में है।

लैरी वहां चूहों को पकड़ने वाली मुख्य बिल्ली के तौर पर तैनात है और उसने अपने रहते 6 प्रधानमंत्रियोंकृडेविड कैमरून, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस, ऋषि सुनक और कीर स्टार्मर को देख लिया है। लैरी को लेकर कहा जा रहा है कि राजनीति में असली दबदबा तो इसी का है, जो प्रधानमंत्री आवास में बनी हुई है। हंसी-मजाक से परे यह एक गंभीर चर्चा का विषय है कि ब्रिटेन में प्रधानमंत्रियों के इस्तीफे को सत्ता की अस्थिरता की तरह देखा जाए या लोकतंत्र की परिपक्वता और मजबूती की तरह। हाल-फिलहाल में किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री से यह गर्वोक्ति नहीं सुनी गई कि हमारा इतिहास ऐसा था, वैसा था और हम लोकतंत्र का कितना सम्मान करते हैं। इस बड़बोलेपन के बिना भी लोकतंत्र का सम्मान करते हुए प्रधानमंत्रियों के इस्तीफे हुए ताकि जनता की भावना उपेक्षित न हो। ब्रिटेन में न किसी को संविधान हाथ में लेकर घूमने की जरूरत पड़ती है कि वह लोगों को बताए कि इसे बचाना है, न वहां किसी चुनाव में मुद्दा यह रहा है कि हमें संविधान और लोकतंत्र बचाना है, न वहां के किसी प्रधानमंत्री ने यह दावा किया कि अब उसी की सत्ता कायम रहेगी। यह दावा तो राजशाही के लिए सुरक्षित है, द किंग इज डेड, लान्ग लिव द किंग, यानी राजा मर गया, राजा अमर रहे, यह वाक्य ही बताता है कि राजशाही कायम रहेगी। लेकिन लोकतंत्र तो ऐसे नहीं चल सकता कि जनता में आपके लिए रोष दिखे, नाराजगी दिखे, आपके फैसलों पर असहमति दिखे, तो उसे नजरंदाज करते हुए भी आप सत्ता पर न केवल बने रहें, बल्कि विरोध के लोकतांत्रिक अधिकार को हिकारत से देखें। जब किसान आंदोलन देश में हुआ था, तब बहुत से तथाकथित सभ्य, संभ्रांत लोगों को यह तकलीफ हुई थी कि उनकी आवाजाही के रास्ते बाधित हो रहे हैं।

ऐसे ही लोगों के समर्थन के कारण प्रधानमंत्री मोदी ने आंदोलनकारियों के लिए आंदोलनजीवी जैसा निकृष्ट शब्द बोलने का दुस्साहस सदन में किया था। क्योंकि तब तक नरेन्द्र मोदी को यह यकीन हो चुका था कि धर्म की अफीम और हिंदुत्व की खुराक इस देश के एक तबके को इतनी पिलाई जा चुकी है जो उनके फैसले पर सवाल करना भूल जाएगा। जिन लोगों ने इस खुराक को लेने से मना किया, उन्होंने सवाल उठाने जारी रखे। किसानों को खालिस्तानी, विदेशी ताकतों का एजेंट, एसी में बैठकर आंदोलन करने वाले जैसे तंज कसे गए, लेकिन किसान अपनी मांग से टस से मस नहीं हुए और तीन कृषि कानून वापस लिए गए। सरकार ने किसी दबाव में फैसला तो बदला लेकिन लोकतंत्र में आंदोलन और विरोध का स्वाभाविक अधिकार शायद अब भी उसकी समझ में नहीं आया है। इसलिए राहुल गांधी की कोटा में छात्रों की गूंज रैली के बाद धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में दहशतगर्द तैयार किए जाते हैं। बात यहीं तक नहीं रुकी, अब जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है, इसके लिए सोनम वांगचुक चार दिनों से अनशन पर हैं, उनके अलावा कुछ और लोग भी अनशन कर रहे हैं, देश भर से लोग इस आंदोलन को अपना समर्थन देने और आंदोलनकारियों को मदद देने पहुंच रहे हैं, तो यह भी लोगों की सरकार से नाराजगी का इजहार ही है। लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इन आंदोलनकारियों को वायरस कह रहे हैं। हाल ही में नितिन नबीन ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ऐसे कॉकरोचों और वायरसों से निपटना जानता है। अब नितिन नबीन और प्रधानमंत्री मोदी से सवाल यह है कि क्या उनकी नजर में इस देश के लोगों की हैसियत कॉकरोच और वायरस जैसी ही है। अगर आंदोलनकारी कुछ ऐसा करें जो गैरकानूनी है, तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जगह क्या भाजपा के कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया जाएगा कि जाओ निपट लो। कॉकरोच जनता पार्टी कोई राजनैतिक दल नहीं है, और फिलहाल उसका उद्देश्य केवल धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा ही है। क्या यह संगठन आगे जाकर किसी राजनैतिक दल का आकार लेगा, इसका उद्देश्य क्या होगा, विचारधारा कौन सी रहेगी, यह सब बाद के सवाल हैं।

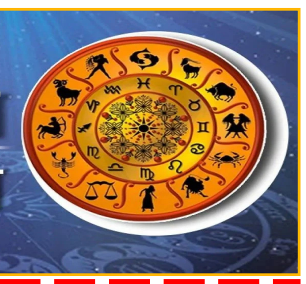

# आज का राशिफल

**मेषः**- कोई छोटी बात भी परिवार के तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगी। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

**बृषभः**- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

**मिथुनः**- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

**कर्कः**- भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का ठीक ढंग से निर्वहन् करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी। आलस्य का त्याग करें।

**सिंहः**- पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

**कन्याः**- छोटी-छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे-संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

**तुलाः**- वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्ठा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

**वृश्चिकः**- जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

**धनुः**- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

**मकरः**- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला-जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

**कुंभः**- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।

**मीनः**- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्टि पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय अपेक्षित है।

# कागज दिखाना मौजूदा दौर की सबसे बड़ी त्रासदी!

भाजपा के शासन में कागज की अहमियत इंसान से ज्यादा हो चुकी है। कागज तो दिखाना होगा, मौजूदा दौर का सबसे त्रासद वाक्य है, जिससे लाखों-करोड़ों नागरिक जूझ रहे हैं। खबर आई है कि मंगलवार को हुई केबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिए हैं कि आम लोगों की सुविधा का ख्याल रखा जाए। लेकिन यह कैसा ख्याल रखना है जिसमें कदम-कदम पर आम जनता को यही साबित करना पड़े कि वह इस देश का नागरिक है। राशन कार्ड, आधार, पैन कार्ड, दसवीं का प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट ये सारे कार्ड किसी व्यक्ति के पास होने के बावजूद यह तय नहीं है कि वह भारत का नागरिक है या नहीं। पासपोर्ट पर तो हाल ही में विदेश मंत्रालय का बयान आया ही था कि यह केवल यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, जबकि दूसरे देश जाने पर आपको किस देश का नागरिक माना जाए, यह आपके पासपोर्ट से ही तय होगा। पासपोर्ट पर एक अनावश्यक विवाद मोदी सरकार ने खड़ा किया और हाल ही में उसी से जुड़ा एक अजीबोगरीब प्रकरण सामने आया है। कोलकाता से निकलने वाले प्रमुख अंग्रेजी दैनिक द टेलीग्राफके पूर्व संपादक आर. राजगोपाल का पासपोर्ट नवीनीकृत नहीं हुआ, क्योंकि एसआईआर में उनका नाम लाखों अन्य लोगों की तरह काटा गया है। आर. राजगोपाल ने सोशल मीडिया पर अपने साथ घटे इस त्रासद वाकये को बयां किया है कि मार्च 2026 में कोलकाता के बालीगंज विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया। उनके अनुसार, एसआईआर के दौरान अधिकारियों को न तो उनका और न ही उनके दिवंगत पिता का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में मिला। इसी आधार पर उनका नाम सूची से हटा दिया गया। राजगोपाल ने लिखा कि उनके पिता एक गांधीवादी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर और केरल में गांधी स्मारक निधि के पूर्व राज्य सचिव थे, जिनका 2016 में निधन हो चुका है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने सजग मतदाता रहे उनके पिता का नाम मतदाता सूची में कैसे नहीं मिला। राजगोपाल का कहना है कि पश्चिम बंगाल में लगभग 27 लाख लोगों के नाम तथाकथित श्लॉजिकल डिस्क्रेपेंसीश् के आधार पर मतदाता सूची से हटाए गए। उन्होंने मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र समेत अन्य दस्तावेज जमा किए, लेकिन उन्हें कोई साफकारण नहीं बताया गया।

राजगोपाल समेत हजारों लोगों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित एक ट्रिब्यूनल के सामने लंबित है। इसी वजह से वे हाल में हुए चुनाव में मतदान भी नहीं कर सके। राजगोपाल ने बताया कि उन्होंने 19 मार्च 2026 को पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी कर ली थी, लेकिन पुलिस सत्यापन नहीं हो सका क्योंकि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं था। उन्होंने कई वैकल्पिक दस्तावेज जमा किए, लेकिन उन्हें पर्याप्त नहीं माना गया। 27 जून को उनके बायोमेट्रिक हुए 100 दिन पूरे हो गए। पिछले सप्ताह उन्हें पासपोर्ट कार्यालय से बताया गया कि कोलकाता पुलिस ने मतदाता सूची से नाम हटने के आधार पर प्रतिकूल रिपोर्ट भेजी है। हालांकि उन्हें क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में तत्काल उपस्थित होने को कहा गया, लेकिन ऑनलाइन अपॉइंटमेंट 17 जुलाई 2026 की मिली। कितनी हैरानी की बात है कि एक प्रतिष्ठित अखबार के संपादक का पासपोर्ट नवीनीकरण अब तक इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि मतदाता सूची में उनका नाम नहीं था और पुलिस ने इसे ही आधार माना। जबकि केंद्र और राज्य सरकारें पत्रकारों व संपादकों को अधिमान्यता भी देती हैं। इसमें भी उनके तमाम दस्तावेज जांचे-परखे जाते हैं। फिलहाल यह ज्ञात नहीं है कि राजगोपाल के पास इस समय राज्य अधिमान्यता कार्ड या पत्र सूचना कार्यालय की तरफसे जारी कार्ड है या नहीं, लेकिन जब उनके जैसे प्रतिष्ठित संपादक को कागज दिखाने के नाम पर मानसिक संताप से गुजरना पड़ा है, तो आम लोगों की बिसात ही क्या है। खुद राजगोपाल ने यह लिखा है कि वे खुद को पीड़ित की तरह नहीं दिखाना चाहते, लेकिन इतने वर्षों की पत्रकारिता और अखबार का संपादन करने के बाद उन्हें अपनी पहचान साबित करने के लिए इतना संघर्ष करना पड़ रहा है, तो समाज के सबसे कमजोर और हाशिए के लोगों की स्थिति कितनी मुश्किल होगी। यह तथ्य किससे छिपा है कि आम लोगों के जीवन में रोजी-रोटी कमाने से लेकर शिक्षा, इलाज जैसी मूलभूत सुविधाओं को हासिल करने में सौ झंझटें हैं, इनसे निपटने में ही तीन चौथाई जीवन गुजर जाता है। इसके बाद बार-बार अपने को नागरिक साबित करने के लिए साक्ष्य जुटाने पड़ें तो थक-हार कर व्यक्ति यह कोशिश भी छोड़ देता है। इसी वजह से लाखों काबिल वोटर बिहार में वोट नहीं डाल पाए और फिर बंगाल में यही खेल हुआ। इसके बाद प्रधानमंत्री आम आदमी की सुविधा और इज ऑफडूइंग जैसे जुमले कहें तो वह जले पर नमक छिड़कने जैसा लगता है। सरकार के ऐसे फैसलों से देश में कितना बड़ा नागरिक संकट खड़ा हो चुका है, इसकी बड़ी मिसाल राजगोपाल प्रकरण में देखी जा सकती है। अगर उनका पासपोर्ट समय पर नवीनकृत होता तो वे 17 अप्रैल को सैन फ्रांसिस्को में अपनी बेटी की शादी में शामिल हो सकते थे। उनके पास अमेरिका का वैध 10 वर्षीय वीजा था, लेकिन सक्रिय पासपोर्ट न होने के कारण विदेश यात्रा संभव नहीं हो सकी। राजगोपाल ने लिखा कि अब उनकी सुबह वोटिंग अधिकार से जुड़ी अपील और पासपोर्ट आवेदन की स्थिति देखने से शुरू होती है। उन्होंने लिखा, मैं यह मुद्दा अपने बारे में नहीं बनाना चाहता था। लेकिन अब मुझे यह और अधिक साफ हो गया है कि मुख्यधारा की पत्रकारिता का आम लोगों के जीवन से संबंध लगातार कमजोर होता जा रहा है। गौरतलब है कि यह बात उन्होंने तब लिखी थी जब एक-दो पत्रकारों ने उनके मुद्दे को सोशल मीडिया पर उठाया, लेकिन तमाम चौनलों में यह बात गायब है।

# स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ, 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में हुआ भव्य प्रवेशोत्सव

**हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना योगी सरकार की प्राथमिकता-संदीप सिंह**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर से स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ कर प्रदेश में शत-प्रतिशत नामांकन के संकल्प को नई गति दी। मुख्यमंत्री के आह्वान के साथ ही उत्तर प्रदेश के लगभग 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में नए शैक्षिक सत्र का उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। विद्यालय पहुंचे नन्हे विद्यार्थियों का रोली-चंदन का तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा, स्वागत गीतों और तालियों की गूंज के बीच आत्मीय अभिनंदन किया गया। प्रवेशोत्सव के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों के लिए विद्यालयों में उत्सव जैसा वातावरण तैयार किया गया, जिससे नए सत्र की शुरुआत उत्साह और आत्मीयता के साथ हो सके। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य केवल नामांकन बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, प्रेरक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है और उत्तर प्रदेश का बेसिक शिक्षा विभाग इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। अभियान के दूसरे चरण में विद्यालय से बाहर बच्चों की पहचान, उनका नामांकन, ड्रॉपआउट बच्चों की पुनर्वापसी तथा नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य शिक्षा को जनभागीदारी का अभियान बनाते हुए यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा विद्यालय और शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे। नए शैक्षिक सत्र के साथ शुरू हुआ यह अभियान उसी संकल्प को धरातल पर साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री के स्कूल अभियान के शुभारंभ के साथ ही सभी जनपदों के परिषदीय विद्यालयों में प्रवेशोत्सव आयोजित किए गए। शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, विद्यालय प्रबंधन समितियों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से बच्चों का स्वागत किया गया। अनेक विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रेरक गतिविधियां, पौधरोपण, पुस्तक वितरण और परिचय सत्र आयोजित किए गए, जिससे बच्चों का विद्यालय से भावनात्मक जुड़ाव मजबूत हो सके। मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि अभियान के दूसरे चरण में विशेष रूप से ऐसे बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जो अभी तक विद्यालय से नहीं जुड़े हैं या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं। घर-घर संपर्क, अभिभावकों से संवाद और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से प्रत्येक पात्र बच्चे को विद्यालय तक लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और बेहतर अधिगम वातावरण सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएंगे।

# विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारम्भ

**जिलाधिकारी ने दिलाई स्वच्छता एवं जनजागरूकता की शपथ**

**बिजनौर।** जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा आज सुबह 10:30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर से विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा जनजागरूकता के उद्देश्य से निकाली गई रिक्शा रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा अन्य प्रतिभागियों को संचारी रोग नियंत्रण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों की प्रभावी रोकथाम के लिए जनसहभागिता, स्वच्छता तथा समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक अपने घर एवं आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखकर तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित कर इन रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिलाधिकारी ने शपथ दिलाते हुए कहा कि हम अपने गांव, ब्लाक, जनपद और देश को रोग मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हम शपथ लेते हैं कि व्यक्तिगत साफ-सफाई का ध्यान रखेंगे और अपने घर के आस-पास साफ-सफाई रखेंगे, अपने गांव और मोहल्ले के वातावरण को स्वच्छ रखेंगे तथा समुदाय को साफ-सफाई और स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। संचारी रोग हमारे गांव अथवा क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को आर्थिक नुकसान का एक बड़ा कारण हो सकते हैं। हम शपथ लेते हैं कि संचारी रोगों से लड़ाई में हर संभव प्रयास करेंगे कि हमारे परिवार और समुदाय इन रोगों से मुक्त रहें। हमारे गांव अथवा हमारे आस-पास के क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति बुखार से पीड़ित होगा तो उसके परिवार को तुरंत इलाज के लिए सरकारी अस्पताल जाने हेतु प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह जिला मलेरिया अधिकारी मंजूषा गुप्ता, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां तथा अन्य उपस्थित रहे।

# अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सपा का शक्ति प्रदर्शन शिव प्रताप यादव का भाजपा पर तीखा हमला

**महिलाओं, बुजुर्गों और जरूरतमंदों का किया सम्मान, 2027 में सपा सरकार बनाने का लिया संकल्प**

**अमेठी।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर अमेठी में वरिष्ठ सपा नेता शिव प्रताप यादव (बीआरसी) के नेतृत्व में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं, बुजुर्गों, जरूरतमंदों एवं गणमान्य नागरिकों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने केक काटकर अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया और वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का संकल्प लिया।शिव प्रताप यादव ने कहा कि भाजपा ने जनता की भावनाओं के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार जनहित के बजाय केवल प्रचार की राजनीति कर रही है। उनका दावा था कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। इस मौके पर जिला अध्यक्ष राम उदित यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पार्टी का एक कार्यकर्ता ही जो संगठन से जुड़ा है वहीं चुनाव लड़ेगा पार्टी की विचारधारा और संगठन से दूर रहने वाले किसी व्यक्ति को टिकट मिलेगा।इस मौके पर सपा जिला उपाध्यक्ष राकेश यादव रंजीत यादव मनीराम वर्मा, गंगा प्रसाद प्रजापति राम सिंह यादव संजय यादव सहित भारी संख्या महिला पुरुष मौजूद रहे।

# डी एम औरैया ने पौधा रोपण कर जनपद में वन महोत्सव का किया शुभारंभ

**औरैया।** वनमहोत्सव के अवसर पर वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 अभियान पर जिलाधिकारी बृजेश कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में पौधा रोपण कर जनपद में वन महोत्सव का शुभारंभ किया गया। जनपद में वन महोत्सव का अभियान 01 जुलाई से 07 जुलाई 2026 तक चलाया जाएगा , जिसमें प्रचार - प्रसार, नुक्कड़ नाटक, पर्यावरणीय प्रतियोगिताओं का स्कूल कॉलेज में आयोजित किया जाएगा द्य इस वर्ष जनपद में लगभग 45 लाख पौधों को रोपण किया जाएगा।

# स्कूल चलो अभियान को मिली नई रफ्तार सदर विधायक ने बच्चों का किया आह्वान

**➲ प्राथमिक विद्यालय चौपरिया से जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी, सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने पर दिया जोर**

**महाराजगंज।** प्रदेश सरकार के स्कूल चलो अभियान के तहत बुधवार को प्राथमिक विद्यालय चौपरिया में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करना और अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति से हुई।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह ने विधायक का प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। संचालन शिक्षक अरविंद जायसवाल सरस ने किया। अपने संबोधन में विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कायाकल्प योजना के जरिए परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर और तकदीर बदली है। आज सरकारी स्कूलों में बेहतर भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, स्मार्ट कक्षाएं, मुफ्त पुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूते-मोजे और मध्यान्ह भोजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का सरकारी विद्यालयों में नामांकन कराने तथा शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों के साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक पी. के. शर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह, प्रधानाध्यापिका अर्चना त्रिपाठी, शिक्षक अखिलेश पाठक, पंकज मौर्य, बलराम निगम, गोपाल मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

# इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ अभ्युदय ने डॉक्टर्स डे और सीए डे पर प्रतिभाओं को किया सम्मानित

**लखनऊ।** इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ अभ्युदय द्वारा 1 जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे और राष्ट्रीय सीए दिवस के सुअवसर पर समाज और देश के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले डॉक्टरों व चार्टड अकाउंटेंट के लिए एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। क्लब की अध्यक्षा डॉ. मीनू कृपाल के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों ने दोनों ही क्षेत्रों के प्रतिष्ठित चेहरों को सम्मानित कर आभार व्यक्त किया।

**मिनर्वा हॉस्पिटल के डॉक्टरों का सम्मान और केक कटिंग**

कार्यक्रम के पहले चरण में क्लब के सदस्यों ने विराम खंड, गोमती नगर स्थित मिनर्वा हॉस्पिटल (Minnerva Hospital) का दौरा किया। वहां समाज को अपनी निस्वार्थ सेवाएं दे रहे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, डॉ. विवेक गुप्ता और उनके साथी डॉक्टरों को क्लब द्वारा सम्मानित किया गया। डॉक्टरों को स्मृति चिह्न व सर्टिफिकेट भेंट किए गए। इस अवसर को और खास बनाने के लिए डॉक्टरों और क्लब के सदस्यों ने मिलकर केक काटा और डॉक्टर्स डे की खुशियां मनाईं।

**सीए गौरी गुप्ता का अभिनंदन**

इसी कड़ी में देश की आर्थिक प्रगति में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका को सराहते हुए क्लब ने प्रतिष्ठित सीए गौरी गुप्ता (CA Gauri Gupta) को सम्मानित किया। उन्हें वित्तीय क्षेत्र में उनके बेहतरीन योगदान और समाज सेवा के लिए स्मृति चिह्न और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। मिनर्वा हॉस्पिटल के डॉक्टरों और सीए गौरी गुप्ता ने इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ अभ्युदय के इस सुंदर प्रयास के लिए पूरी टीम का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में क्लब के कई गणमान्य सदस्य, अस्पताल का मेडिकल स्टाफ और अन्य प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

# कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि, कार्यकर्ता आधारित पार्टी है भाजपा: गीता शाक्य

**औरैया।** भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की प्रदेश महामंत्री मनोनीत होने के बाद प्रथम बार अपने गृह जनपद औरैया आगमन पर भाजपाइयों ने जगह-जगह स्वागत किया। जिले की बेला सीमा पर पार्टी जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ,जिला प्रभारी आनन्द सिंह, भाजयुमो जिलाध्यक्ष मोनू सेंगर के नेतृत्व में जोरदार स्वागत हुआ, बिधूना में आदर्श ठाकुर , ब्लाक प्रमुख ऋषि गौर के नेतृत्व में, दिबियापुर राघव मिश्रा के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद प्रदेश महामंत्री गीता शाक्य सीधे भाजपा जिला कार्यालय पहुंची जहां भाजपा की परिचयात्मक बैठक में जिले के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया , स्वागत से अभिभूत प्रदेश महामंत्री गीता शाक्य ने संबोधित करते कहा कि कार्यकर्ता का सम्मान ही सर्वोपरि है, किसी भी कीमत पर कार्यकर्ता के सम्मान समझौता नहीं होगा पार्टी की असली ताकत कार्यकर्ता ही है कार्यकर्ताओ की दम पर भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है हमारी पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है एक छोटा सा कार्यकर्ता भविष्य का राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री बन सकता है ,यह भाजपा में ही संभव है अन्य दलों में परिवारवाद हावी है, समाजवादी पार्टी में अखिलेश यादव के बाद उनका बेटा ही सपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा ,अन्य कोई कार्यकर्ता नहीं बन सकता है सभी कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने की अपील की तथा 2027 चुनाव में जी जान से जुटने का आवाहन किया जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने जिले के लिए गर्व की बात हे सभी कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारियों में जुटने का आवाहन किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बिधायिका गुड़िया कठेरिया,जिला महामंत्री यशवीर सिकरवार,विशाल शुक्ला, भूरे चौबे ,योगेंद्र कैथवार ,अमरचंद राठौर, माघव राजपूत, रजनीश पाण्डेय, शिव सिंह भारती, देवेंद्र सेंगर , राहुल गुप्ता,कुंवर सिंह बाथम ,नितिन अवस्थी , सोनू सोनी,आदित्य चतुर्वेदी,आशीष कठेरिया,अंकुर तिवारी , इंद्रपाल पाल,आशीष दुबे,प्रतिमा अवस्थी, सर्वेंद्र भदौरिया,सौरभ राजपूत, कन्हैया कठेरिया,कंचन श्रीवास्तव, श्रद्धा चौहान,आशीष तिवारी , राम जी मिश्रा सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

# बन दरोगा राकेश तिवारी ब रेंजर राजेश की शह पर लकड़ी माफिया लालू और नन्हें ने काट दिए 80 से अधिक पेड़

जानकारी के अनुसार नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव नगला दमू में बन दरोगा राकेश तिवारी ब रेंजर राजेश कुमार के अति करीबी गुर्गे लालू और नन्हें ने विज्ञान गंगवार पुत्र शीशराम गंगवार के खेत से सागौन के 80 से अधिक पेड़ों पर दिन दहाड़े आरा चला दिया,जब इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को हुई तो उन्होंने आनन फानन में कुछ पेड़ों को काटे जाने का जुर्माना कर खाना पूरी कर ली,लेकिन बन दरोगा राकेश तिवारी ब रेंजर राजेश कुमार की शह पर अगले दिन लगभग 50 से अधिक सागौन के पेड़ और दिए गए,पेड़ काटे जाने की सूचना ग्रामीणों द्वारा जब बन दरोगा राकेश तिवारी को दी गई तो बन दरोगा राकेश तिवारी ने ग्रामीणों को मुंह बंद रखने की हिदायत दे दी।

**बन दरोगा राकेश तिवारी की शह पर कुछ माह पूर्व बन कर्मी पर लकड़ी माफियाओं ने किया था हमला**

ज्ञात हो कि इसी बन दरोगा राकेश तिवारी की शह पर कुछ लकड़ी माफियाओं ने बन विभाग की टीम पर हमला कर दिया था जिसके बाद लकड़ी माफियाओं के खिलाफ थाना शमसाबाद में मुकद्दमा पंजीकृत कर दिया गया था और लकड़ी माफियाओं के दो ट्रैक्टर ट्राली पुलिस ने अपने कब्जे में ले कर कार्यवाही शुरू कर दी थी।

**कुछ माह पूर्व लकड़ी माफियाओं की चिरान मशीन पर बन दरोगा को चखाया था जूतों का प्रसाद**

अब आपको सबसे मजेदार बात यह बतानी है कि इसी बन दरोगा राकेश तिवारी को लालू और नन्हें की आरा मशीन पर चिरान करने वाले मजदूरों ने किसी बात पर जूतों का प्रसाद भी चखा दिया था,चूंकि चिरान मशीन के मजदूरों द्वारा जूतों का प्रसाद चखाया गया था इसलिए बन दरोगा राकेश तिवारी ने कोई कार्यवाही नहीं की थी, बल्कि चंद पैसों में अपना ईमान जरूर नीलाम कर दिया था।

**पूर्व तैनाती के दौरान बन दरोगा राकेश तिवारी पर लग चुके हैं भ्रष्टाचार के आरोप**

आपको बता दें कि वर्ष 2023 24 में शमसाबाद में तैनाती के दौरान बन दरोगा राकेश तिवारी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे जिसका संज्ञान लेते हुए उच्चाधिकारियों द्वारा बन दरोगा राकेश तिवारी को शमसाबाद से हटा दिया गया था,लेकिन सत्ता पक्ष के जुड़े एक जन प्रतिनिधि की चाटुकारिता कर शमसाबाद में पुनः तैनाती प्राप्त कर लगातार अवैध कटान से भ्रष्टाचार को लगातार बढ़ावा दे रहा है,जिससे आम जनमानस में बन दरोगा राकेश तिवारी के विरुद्ध आक्रोश लगातार पनप रहा है।

# बृजमनगंज में सर्व शिक्षा अभियान फेज-2 का आगाज गाजे-बाजे के साथ निकली जागरूकता रैली

**नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने दिखाई हरी झंडी, 15 जुलाई तक चलेगा नामांकन अभियान**

**महाराजगंज।** नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इस उद्देश्य से बुधवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र बृजमनगंज से सर्व शिक्षा अभियान फेज-2 का भव्य शुभारंभ किया गया। गाजे-बाजे के साथ निकली जागरूकता रैली को नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली ने नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण कर अभिभावकों से बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने और नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की। अभियान के तहत 1 से 15 जुलाई 2026 तक क्षेत्र के सभी विद्यालयों में विशेष नामांकन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख उदय राज यादव, खंड विकास अधिकारी कृष्णकांत शुक्ला, खंड शिक्षा अधिकारी अगनित कुमार, एडीओ पंचायत गुलाब पाठक, विनय कुमार पाठक, एआरपी पंकज कुमार गुप्ता तथा लोरिक यादव मौजूद रहे।

रैली में उच्च प्राथमिक विद्यालय बृजमनगंज, प्राथमिक विद्यालय रत्तूपुर, लेहड़ा सेकेंड, मिश्रौलिया, महात्मा गांधी इंटर कॉलेज, रामबक्स जूनियर हाई स्कूल एवं ऑलमाइटी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान नागेंद्र कुमार चौरसिया, कमलेश कुमार सिंह, संजीत पटेल, उदय राज कनौजिया सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी, अनुचर और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में लोगों से आह्वान किया गया कि वे अपने आसपास के प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित कराने में सहयोग करें, ताकि शिक्षा का अधिकार हर बच्चे तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

# शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की स्थिति की मांग को लेकर सांकेतिक भूख हड़ताल पर बैठी भाकपा (माले)

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर दिल्ली में चल रहे आन्दोलन के समर्थन में आज भाकपा (माले) ,आइसा, इंकलाबी नौजवान सभा और उसके जनसंगठनों से जुड़े लोगों ने शहीद स्मारक लखनऊ पर सांकेतिक भूख हड़ताल किया। भूख-हड़ताल पर भाकपा (माले) के जिला प्रभारी का. रमेश सिंह सेंगर,इनौस के जिला संयोजक राजीव गुप्ता आइसा के उपाध्यक्ष समर,ऐपवा की का. कमला गौतम बैठे थे। इस अवसर पर भाकपा (माले) के जिला प्रभारी का. रमेश सिंह सेंगर ने कहा कि मोदी सरकार के 15 वर्ष देश की बर्बादी के गवाह है। मोदी सरकार ने न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद किया है बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था को ही बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक के बाद बीस छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या, आत्महत्या नहीं सांस्थानिक हत्या है और इसके लिए सीधे तौर पर मोदी सरकार दोषी है। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफे की मांग करते हुए देश को बचाने के लिए मोदी सरकार के खिलाफ जनता को सड़कों पर उतरना होगा। जन संस्कृति मंच के प्रदेश अध्यक्ष का. कौशल किशोर ने कहा कि मोदी सरकार ने न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद किया है बल्कि यह सरकार हमारी प्रेम, मुहब्बत और भाई चारे की संस्कृति को नष्ट कर नफ़रत का माहौल बना रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश की सभी लोकतान्त्रिक संस्थाओं को नष्ट कर दमन और तानाशाही का राज चला रही है।इनौस के का. राजीवगुप्ता ,आइसा के समर ,ऐपवा की सरोजिनी बिष्ट, ऐक्टू के जिला मंत्री का. कुमार मधुसूदन मगन और कमला गौतम और जिस्म के का. सुचित माथुर ने भी मोदी सरकार की संविधान और लोकतंत्र विरोधी नीतियों की कड़ी निन्दा करते हुए धर्मेन्द्र प्रधान से नैतिकता के आधार पर तुरंत त्याग पत्र देने की मांग की। इस अवसर पर का. रामसेवक रावत, का. रमेश चंद्र शर्मा, का. मंजू गौतम, रीता गौतम क्रांति शुक्ला,आलम अंसारी, सतीश राव, विकास वर्मा, करुणा कर प्रताप सिंह, रामप्रसाद, गुड्डु,विजय कुमार राम अनुज ओझा आदि लोग मौजूद रहे।

## एकेटीयू का 24वां दीक्षांत समारोह 7 जुलाई को

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ । डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि का 24वां दीक्षांत समारोह का आयोजन आगामी 7 जुलाई को होगा। समारोह की मुख्य अतिथि कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल होंगी। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन अरविंद सिंह साहनी होंगे। यह जानकारी एकेटीयू के मीडिया प्रभारी डॉ. पवन त्रिपाठी ने दी। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह का आयोजन पं. अटल बिहारी बाजपेई बहुउद्देशीय सभागार में किया जाएगा। श्री त्रिपाठी ने बताया कि इसके अलावा दीक्षांत में प्राविधिक शिक्षा मंत्री इंजीनियर आशीष पटेल और प्रमुख सचिस प्राविधिक शिक्षा विभाग डॉ. एमकेएस सुंदरम भी शिरकत करेंगे।

# हैंधना खुर्द के पास अनियंत्रित बैटरी वाहन पलटा, बुजुर्ग महिला गंभीर घायल

**संवाददाता**

बल्दीराय थाना क्षेत्र के हैंधना खुर्द के समीप गुरुवार को एक बैटरी चालित वाहन (ई-रिक्शा) अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) बल्दीराय पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल महिला की पहचान रामकुमारी (80) पत्नी स्वर्गीय अलखनाथ पाण्डेय, निवासी पाण्डेय का पुरवा, कांपा के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना में उनके पैर में गंभीर चोट आई है। बताया जा रहा है कि बैटरी वाहन हरौरा बाजार से, बहुरांवा की ओर जा रही थी। इसी दौरान हैंधना खुर्द के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क पर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। हालांकि पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हादसे की सूचना मिलते ही एम्बुलेंस चालक राजेश एवं ईएमटी प्रदीप विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे और घायल महिला को तत्काल सीएचसी बल्दीराय पहुंचाया। सीएचसी बल्दीराय के चिकित्सक डॉ. अशोक मिश्रा ने बताया कि महिला के पैर में गंभीर क्रश इंजरी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

## प्रशस्ति श्रीवास्तव ने वाराणसी मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यभार किया ग्रहण।

**संवाददाता**

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल में प्रशस्ति श्रीवास्तव ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (Senior Divisional Commercial Manager) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रशस्ति श्रीवास्तव का जन्म 5 दिसम्बर 1992 को हुआ। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की उपाधि प्राप्त की है। भारतीय रेल यातायात सेवा (IRTS) के माध्यम से उनका चयन हुआ तथा उन्होंने 10 दिसम्बर 2018 को भारतीय रेल सेवा में अपना कार्यभार ग्रहण किया। भारतीय रेल सेवा में अपने कार्यकाल की शुरुआत उन्होंने उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल में सहायक वाणिज्य प्रबंधक (Assistant Commercial Manager) के रूप में की। इसके उपरांत उन्होंने आगरा मंडल में मंडल वाणिज्य प्रबंधक (Divisional Commercial Manager) तथा मंडल परिचालन प्रबंधक (Divisional Operations Manager) के रूप में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। वाराणसी मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के रूप में पदस्थापना से पूर्व वे पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर मुख्यालय में वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक (दावा) के पद पर कार्यरत थीं। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने मंडल के अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की तथा मंडल की वाणिज्यिक गतिविधियों, यात्री सुविधाओं एवं राजस्व संवर्धन से संबंधित विषयों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं उपलब्ध कराना, यात्री सुविधाओं का निरंतर विस्तार, ग्राहक संतुष्टि, राजस्व वृद्धि तथा पारदर्शी एवं उत्तरदायी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना उनकी प्रमुख प्राथमिकताएं रहेंगी।

## दक्षिणी विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने जन-जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।

**संवाददाता**

वाराणसी। वाराणसी में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ शहर दक्षिणी विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने जन-जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। रैली सीएमओ कार्यालय से दुर्गाकुंड, लंका और बीएचयू होते हुए शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दुर्गाकुंड पर समाप्त हुई। इसमें नर्सिंग कॉलेज के छात्र- छात्राओं तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल संचारी रोगों का उपचार नहीं, बल्कि जन- जागरूकता के माध्यम से उनकी रोकथाम सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, जलभराव की रोकथाम तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त कर डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, एईएस एवं जापानी इंसेफेलाइटिस जैसे रोगों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि जुलाई माह भर चलने वाले अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के समन्वय से स्वच्छता अभियान, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, सोर्स रिडक्शन, एंटी-लार्वा गतिविधियां, फॉगिंग तथा जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बुखार, टीबी, कुपोषण एवं अन्य संचारी रोगों के संभावित मरीजों की पहचान कर आवश्यक जांच और उपचार सुनिश्चित करेंगी। कार्यक्रम में विशेष रूप से स्थानीय पार्षद, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. शिशिर, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. शरद चंद पाण्डेय, मलेरिया अधिकारी सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

## पहले दिन 88 प्रतिशत ने दी परीक्षा, 12 फीसदी अनुपस्थित

बांदा। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) जिले के आठ परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। पहले दिन सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भीड़ देखने को मिली। परीक्षा को शांतिपूर्ण, नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहा। सघन चेकिंग के बाद ही परीक्षा केंद्रों के अंदर परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। पहले दिन दोनों पालियों में परीक्षा शांतिपूर्ण आयोजित हुई। सख्ती के चलते पहले दिन दोनों पालियों में पंजीकृत 7990 में 7032 अभ्यर्थियों (88 फीसदी) ने परीक्षा दी। जबकि 958 अनुपस्थित रहे। जिले के आठ परीक्षा केंद्रों पर गुरुवार को टीईटी परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। तीन दिवसीय परीक्षा के पहले दिन परीक्षा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल की तैनाती रही। तीन दिवसीय परीक्षा की दोनों पालियों में 3995-3995 अभ्यर्थी पंजीकृत रहे। पहली पाली में 3505 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जबकि 490 ने परीक्षा छोड़ दी। इसी तरह दूसरी पाली में 3527 अभ्यर्थी शामिल हुए और 468 अनुपस्थित रहे। परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम रहे। सभी केंद्रों पर पुलिस बल तैनात रहा। सघन जांच के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश दिया गया। नोडल अधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। कहीं से भी किसी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। उधर, यूपीटीईटी परीक्षा के लिए नामित किए गए सेवानिवृत्त डीआईजी व प्रेक्षक अजय कुमार सिंह समेत डीएम अमित आसेरी व एसपी पलाश बंसल ने पं.जेएन पीजी कॉलेज और नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

# अरबई ने तीन विकेट से जीता श्रीराम क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल

➲विजेता व उप विजेता टीमों को किया गया पुरस्कृत

**बांदा।** महुआ ब्लाक क्षेत्र के पतौरा गांव खेल मैदान में पिछले एक पखवारे से चल रहे श्रीराम क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच अरबई टीम ने तीन विकेट से जीतकर ट्राफी पर कब्जा जमाया। छिबांव गांव की टीम उप विजेता रही। फाइनल मैच देखने को खेल मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ रही। पतौरा गांव स्थित खेल मैदान में श्रीराम क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच का उद्घाटन ग्राम प्रधान/प्रशासक प्रतिनिधि ओमप्रकाश त्रिपाठी ने टॉस और दोनों टीमों के खिलाड़ियों परिचय प्राप्त करके किया। टॉस जीतकर छिबांव की टीम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित 15 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। रोमांचक मुकाबले में अरबई टीम ने मैच की अंतिम गेंद पर तीन विकेट शेष रहते चौका मारकर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

समापन अवसर पर ग्राम प्रधान/प्रशासक प्रतिनिधि ओमप्रकाश त्रिपाठी व सदर विधायक के पुत्र देवांश द्विवेदी ने विजेता व उप विजेता टीमों को ट्राफी व शील्ड और क्रमशः 21 हजार व 11 हजार रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सपा युवजन सभा राष्ट्रीय सचिव ओमनारायण त्रिपाठी विदित, रीतेश त्रिपाठी, आलोक त्रिपाठी, मोनू त्रिपाठी सहित टूर्नामेंट आयोजक अतुल शुक्ला, गौरव दीक्षित, पीलू शुक्ला व अन्य लोग उपस्थित रहे।

## बल्दीराय में विकसित भारत जी-राम-जी योजना का प्रचार-प्रसार,श्रमिकों और महिलाओं को किया सम्मानित

**संवाददाता**

सुल्तानपुर। विकास खंड बल्दीराय की ग्राम पंचायत सुखबड़री एवं बीही निदूरा में गुरुवार को भारत सरकार की विकसित भारत जी-राम-जी योजना के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को योजना की जानकारी देने के साथ मनरेगा श्रमिकों और ग्राम पंचायत में कार्यरत महिलाओं को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ जिला स्तर से नामित परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने की। इस दौरान ग्राम पंचायत में कार्यरत पांच महिलाओं को साड़ी एवं पुष्प भेंटकर सम्मानित किया गया। वहीं मनरेगा के 11 श्रमिकों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर माल्यार्पण के साथ सम्मानित किया गया।ग्राम प्रधान चंद्रभान यादव ने ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह, परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह तथा खंड विकास अधिकारी विमलेश चंद्र त्रिवेदी का माल्यार्पण एवं शॉल भेंटकर स्वागत किया।परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की नई व्यवस्था के तहत मनरेगा श्रमिकों को प्रतिदिन 300 रुपये मजदूरी तथा वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीणों को रोजगार के लिए पलायन करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में खंड विकास अधिकारी विमलेश चंद्र त्रिवेदी ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।इस अवसर पर मनरेगा एपीओ स्मिता सिंह, सचिव ऋषभ मिश्रा, विजय सिंह, तकनीकी सहायक चंद्रनाथ पांडे, संतोष श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान राजकरण शुक्ल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार यादव ने किया।

## आगामी पर्व को लेकर पुलिस कमिश्नर ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश।

**संवाददाता**

वाराणसी। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल अपनी टीम के साथ स्वयं सड़क पर उतरकर प्रमुख मार्गों के यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आगामी पर्व श्रावण मास में लाखों कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के सुरक्षित, सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख मार्गों चाँदपुर चौराहा, बौलिया तिराहा, लहरतारा, कैण्ट स्टेशन, चौकाघाट, आंध्रापुल सहित शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्ग का निरीक्षण किया। चाँदपुर चौराहे से बौलिया तिराहे तक निर्माणाधीन सर्विस लेन का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने हेतु संबंधित विभाग को निर्देशित किया। अवैध बस स्टैंड, सड़क अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के कमिश्नर ने निर्देश दिए साथ ही रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। शहर के प्रमुख मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था, संकेतक, बैरिकेडिंग, आपातकालीन सहायता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ अनैतिक, गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा। इस दौरान पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन प्रमोद कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन लिपि नागयाच, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात अंशुमान मिश्रा, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात, सहायक पुलिस आयुक्त रोहनियां एवं सम्बन्धित टीआई, थाना प्रभारी सहित पुलिस बल उपस्थित रहे ।

# रोलर स्केटिंग में दो गोल्ड मेडल जीतकर शार्वी ने किया नाम रोशन

❑नेपाल में आयोजित इंटरनेशनल चैंपियनशिप में किया प्रतिनिधित्व

❑नरैनी तहसील के तरखरी गांव की निवासी शार्वी ने दिखाया जलवा

**बांदा।** जनपद की होनहार बेटी शार्वी पांडेय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले और देश का नाम रोशन किया है। बांदा की बेटी ने नेपाल में आयोजित इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2026 में न सिर्फ भारत का प्रतिनिधित्व किया बल्कि रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। नरैनी तहसील के तरखरी गांव के रहने वाले विकास कुमार पांडेय की पुत्री शार्वी पांडेय ने नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप में दो-दो गोल्ड मेडल जीत साबित कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि मेहनत और दृढ़ संकल्प ही सफलता की असली पहचान हैं। बता दें कि भारत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और दुबई के खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में शार्वी ने 500 मीटर और 1000 मीटर रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया और दोनों ही मुकाबलों में पहला स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट गति, संतुलन और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में विजेता घोषित होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा लहराया गया, जिसने पूरे देश को गौरवान्वित किया। शार्वी की यह सफलता उनकी मेहनत, लगन और परिवार के सहयोग का परिणाम मानी जा रही है। बुंदेलखंड की इस प्रतिभाशाली बेटी की उपलब्धि से पूरे जनपद में खुशी की लहर है। परिवार, प्रशिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने शार्वी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

# जी राम जी योजना का आगाज, मनरेगा मजदूरी बढ़कर हुई 300 रुपये

❑ धनपतगंज के खारा गांव से राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत, ग्रामीणों को योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

**संवाददाता**

सुल्तानपुर जिले के विकासखंड धनपतगंज की ग्राम पंचायत खारा स्थित पंचायत भवन में गुरुवार को ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में %विकसित भारत-जी राम जी% राष्ट्रीय स्तरीय शुभारंभ अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। अधिकारियों ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की ग्रामीण विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मृत्युंजय श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास, रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार नई पहल कर रही है। उन्होंने बताया कि मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी 252 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। साथ ही किसानों और मजदूरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों के लिए 60 दिनों के अवकाश का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्थाओं से मनरेगा कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, श्रमिकों को समय पर रोजगार मिलेगा तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंच सकेगा। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान दिव्यराज सिंह %लकी% ने मनरेगा मजदूरी बढ़ाए जाने पर श्रमिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ग्राम पंचायत की प्राथमिकता है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ने उपस्थित मनरेगा श्रमिकों को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा सभी से गांव के विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। ग्राम पंचायत सचिव शत्रुघ्न पांडेय एवं तकनीकी सहायक अम्बरीष वैश्य ने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा मनरेगा से जुड़े नए प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों की शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में पृथ्वीपाल सिंह, सूर्यांश सिंह, गिरजा दुबे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, मनरेगा श्रमिक एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में अधिकारियों ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा गांव के समग्र विकास में सहयोग करने की अपील की।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
शुक्रवार, 03 जुलाई, 2026


# अहाना कुमरा बोलीं- इमिग्रेशन पर मुझे रोक दिया था, उन्हें लगा मैं साड़ियां बेचने अमेरिका तो नहीं आई

अहाना कुमरा ने अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को तराशने पर बातें की हैं। उन्होंने शहर की सीख और वैल्यूज के साथ मुंबई में काम पर बातें कीं। उन्होंने कहा- थिएटर में उन्हें नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी। थिएटर की सख्ती, अपने फैसलों की कीमत और इंडस्ट्री की सियासत, इन सबके बीच अपनी अलग पहचान बनाने वाली अहाना कुमरा की सोच उतनी ही साफ है, जितनी वह बेबाक हैं। नसीरुद्दीन शाह से मिली सीख ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया तो लखनऊ की तहजीब और जिद आज भी उनके काम में झलकती है। अहाना कुमरा ने इस खास बातचीत में अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को लगातार तराशने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। शहर की सीख और वैल्यूज के साथ मुंबई में काम कर रही लखनऊ ने मुझे तहजीब और जिद दोनों दी हैं। अगर कहें तो मुंबई में जाकर आप तहजीब भूल जाते हैं (ठहाके लगाते हुए)। हालांकि, इस शहर ने एक जिद जरूर दी है क्योंकि जब आप ऐसे शहरों से आते हैं, जहां आपको अपने शहर का नाम रोशन करना है तो अंदर एक जिम्मेदारी सी रहती है। मैं यहां अब रहती नहीं हूं लेकिन साल में एक.दो बार आना.जाना जरूर हो जाता है। कभी खाने के बहाने तो कभी किसी इवेंट में शिरकत करने। लखनऊ आते ही ऐसा लगता है कि मुझे इसका नाम रोशन करना है। मुझे इसके लिए पांच या दस साल लग जाएं लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैं हमेशा जुटी रहूं और डटी रहूं। इस शहर ने जो सीख और वैल्यूज दी हैं, उन्हें साथ लेकर ही मैं मुंबई में काम कर रही हूं। नाटक से शुरू हुई आदत फिर पहचान बन गई साड़ियों से मेरा गहरा लगाव है। मैं 15 साल से मकरंद देशपांडे के साथ एक नाटक कर रही हूं। हमारा सौभाग्य है कि हमने लखनऊ में 'सर, सर, सरला' को कई बार परफॉर्म किया है। मैंने साड़ी असल में उसी प्ले की वजह से पहननी शुरू की थी। उसी वजह से साड़ियों का शौक लग गया। याद है जब मेरी पहली फिल्म रिलीज हुई थी, तब मुझे स्टाइलिंग के बारे में कुछ नहीं पता था। मैं बड़ी-बड़ी दुकानों में जाकर स्टाइलिंग के लिए साड़ियां खरीदती थी। मैं अमेरिका 14 साड़ियां लेकर गई थी। मेरे वहां करीब सात-आठ फिल्म फेस्टिवल्स थे। मेरा मानना था कि मेरी फिल्म भारतीय है तो मैं भारतीय परिधान में ही नजर आऊं। मैंने अपने हर प्रीमियर पर चाहे वो एलए हो या वॉशिंगटन, ऑस्टिन (टेक्सास) हो या कहीं और, सिर्फ साड़ियां ही पहनीं। मुझे वहां इमिग्रेशन में इसलिए रोक दिया गया कि मैं कहीं साड़ियां बेचने तो नहीं आई हूं। मुझे उन्हें बताना पड़ा कि मैं ऐक्टर हूं और प्रीमियर्स के लिए आई हूं। मैं लखनऊ में ही पली-बढ़ी हूं और पापा मेरे बनारस के हैं। मम्मी को साड़ियों का बहुत शौक है तो हम बनारस जाकर बहुत सारी साड़ियां खरीदते हैं। हम लोग त्योहारों और फंक्शंस में साड़ियां गिफ्ट करते हैं। सच कहूं तो हमारे घर में साड़ियों का बहुत बड़ा मूवमेंट है। मैं 15 साल से मकरंद देशपांडे के साथ एक नाटक कर रही हूं। हमारा सौभाग्य है कि हमने लखनऊ में 'सर, सर, सरला' को कई बार परफॉर्म किया है। मैंने साड़ी असल में उसी प्ले की वजह से पहननी शुरू की थी। उसी वजह से साड़ियों का शौक लग गया। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, 'यह तुम्हारी जिम्मेदारी है' थिएटर में सबसे पहली चीज आप अनुशासन और शिद्दत सीखते हैं। आपको जो बोला गया है, वो आपको करना होगा और इसके पैसे नहीं मिलते हैं। फिल्मों की तरह 10 लोग आपके आजू-बाजू नहीं रहते हैं। याद है जब मैंने अपना पहला शो 'मॉटली' में किया था तो बैकस्टेज अपने कपड़े खुद सेट किए थे। हमारी बिलॉन्गिंग्स और चेंजेस होते हैं, जिन्हें चेक किया जाता है और वो मैंने ठीक से नहीं किया। उस पर नसीरुद्दीन शाह सर ने मुझे बहुत डांट लगाई थी। उन्होंने कहा था- तुमको क्या लगता है कि यहां तुम्हारे काम अलग से कोई करेगा? चुपचाप जाकर अपने सारे कॉस्ट्यूम चेक करो। देखो कहां क्या रखा है। यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि तुम जब वापस स्टेज से आओगे और दूसरे सीन के लिए तैयार होने जाओगे तो तुम्हें पता हो कि कहां पर क्या रखा है। हम यहां तक ड्रेस रिहर्सल करते थे कि अगर 30 सेकेंड हैं तो कैसे अपनी ड्रेस को अनजिप करें और कैसे नई ड्रेस जिप करके स्टेज पर फटाफट पहुंचें। अगर आप ये चीजें नहीं सीखते तो काम नहीं चलेगा। थिएटर में आपके पास समय नहीं है और वहां आपका काम कोई दूसरा नहीं करेगा। वहां आपको आत्मनिर्भर बनना पड़ता है। आजकल के ऐक्टर्स में मैंने देखा है कि वे काम बाद में शुरू करते हैं, पहले उनके इर्द-गिर्द 10 चेले-चपाटे आ जाते हैं। वो चीजें आपको थिएटर में नहीं मिलती हैं। मैं हमेशा कहती हूं कि कोई भी यंग ऐक्टर जो ऐक्टिंग शुरू करना चाहता है, उसे थिएटर जरूर करना चाहिए। जब मैंने अपना पहला शो 'मॉटली' में किया था तो बैकस्टेज अपने कपड़े खुद सेट किए थे। हमारी बिलॉन्गिंग्स और चेंजेस होते हैं, जिन्हें चेक किया जाता है और वो मैंने ठीक से नहीं किया। उस पर नसीरुद्दीन शाह सर ने मुझे बहुत डांट लगाई थी। उन्होंने कहा था- तुमको क्या लगता है कि यहां तुम्हारे काम अलग से कोई करेगा? चुपचाप जाकर अपने सारे कॉस्ट्यूम चेक करो। अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई हैहमेशा से कहती आई हूं कि जो मैं अपने डिसिजन लेती हूं, उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मुझे यह जिम्मेदारी भी पूरी करनी है कि ऐसे रोल करूं, जिन्हें लोग बरसों याद रखें। उसके बारे में बाद में मुझे सोचकर यह ना लगे कि वो रोल क्यों किया। इन रोल्स को करने के लिए हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अगर आप हमारे जैसे प्रोफेशन में रिस्क नहीं लेंगे तो फिर यहां आने का कोई मतलब नहीं। आप नाइन टू फाइव जॉब कर लीजिए। बड़े-बड़े ऐक्टर्स रिस्क लेते हैं। रिस्क जिन्होंने नहीं लिया, उनके करियर बहुत जल्दी नीचे आ गए। मैंने अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है। बहुत लोगों की गालियां सुनी हैं। बहुत लोगों से यह भी सुना है कि तुम्हारे साथ आज के बाद काम नहीं करेंगे। मैंने उनसे यही कहा कि आप अकेले नहीं हैं। अगर आप मेरे साथ काम नहीं करेंगे तो भी मुझे काम मिलेगा।

मैं खुद को इतना ग्रो कर चुकी हूं कि मुझे किसी की धमकी की जरूरत नहीं है। मैं तो अब प्रोड्यूस भी कर रही हूं। आप मुझे रोक नहीं सकते हैं। वो शेर है नाकृ खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुध्दा बंदे से खुध्द पूछे, बता तेरी रजा क्या है। लोग बेवजह गाली-गलौज और पॉलिटिक्स करते मुझे अपने बारे में एक असहज सच यह पता चला कि मैं सबसे बात नहीं कर सकती। ऐसा लगता है कि मेरा लोगों को देखने का एक अलग नजरिया है। जैसी मैं हूं, वैसी हूं। हालांकि, मैंने देखा कि लोग बेवजह गाली.गलौज करते हैं। बेवजह पॉलिटिक्स करते हैं। मैंने वो वक्त भी देखा है, जब मुझसे किसी ने बात तक नहीं की। जब आपके पास मोबाइल फोन नहीं होता और आपके पास ऐसे सात.आठ लोग हैं, जो झुंड बनाकर बैठते हैं। उन्हें पता है, आपको भी कि वो आपके बारे में बातें कर रहे लेकिन आपसे वहां आकर कोई पानी तक नहीं पूछेगा। यह सिचुएशन बहुत टफ होती है कि आपके बारे में कोई बात कर रहा हो और आपसे कोई बात ना कर रहा हो। फिर समझ आता है कि ऊपरवाला आपके साथ है और अगर आप काम और अपने चीजों को लेकर ईमानदार हैं तो वो चीजें बाहर आ जाती हैं और दिख जाती हैं। ऑडियंस बेवकूफनहीं है, वो बहुत समझदार है।

पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी ने सोशल मीडिया पर रैपर और म्यूजिक प्रोड्यूसर बादशाह के साथ एक तस्वीर शेयर की है और बादशाह को पति देव बताया है। जिसके बाद उनकी शादी को लेकर चल रही चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं और इसे दोनों के रिश्ते की सार्वजनिक पुष्टि मान जा रहा है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान एक यूजर ने ईशा से सवाल पूछा, ष्मैम, आपकी और बादशाह भाई की शादी हो गई है, फिर आप दोनों एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो क्यों नहीं करते?ष् इस पर ईशा ने मजाकिया अंदाज में लिखा, ष्मुझे लगता है कि अब इन सवालों की बाढ़ आ गई है।

श्क्या आपकी शादी हो गई है?श, श्क्या आपकी शादी बादशाह से हुई है?श, श्आप दोनों एक-दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते?श, श्आप साथ में तस्वीरें क्यों नहीं पोस्ट करते?श् जैसे सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं।ष् इसके बाद उन्होंने हंसने वाली इमोजी के साथ लिखा, ष्हां, मेरी शादी हो चुकी है। अब सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल पर आते हैं- श्आप दोनों एक-दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते?श् सच कहूं तो इसका जवाब मेरे पति को देना चाहिए। पति देव (बादशाह), जनता के मन में कई सवाल हैं। कृपया जल्द से जल्द उनका जवाब दें।ष् बादशाह संग तस्वीर भी की शेयर फिर एक अन्य यूजर ने पूछा कि अगर वह बादशाह की पत्नी हैं, तो उन्होंने अब तक उनके साथ एक भी फोटो क्यों पोस्ट नहीं की। सबको हैरान करते हुए ईशा ने बादशाह के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में ईशा बादशाह की गोद में बैठी नजर आ रही हैं, जबकि बादशाह उन्हें गले लगाए हुए दिखाई दे रहे हैं। मार्च में दोनों की तस्वीरें वायरल हुई थीं 24 मार्च में दोनों की कथित शादी से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए थे। ये तस्वीरें ईशा की मां द्वारा शेयर की गई थीं, जिनमें दोनों पारंपरिक पंजाबी शादी की ड्रेस में नजर आए थे। जिसमें में परिवार के करीबी लोगों की मौजूदगी भी दिखाई दी थी।

उस समय बादशाह और ईशा रिखी ने इन खबरों पर कोई पब्लिक रिएक्शन नहीं दिया थी। हालांकि, ईशा की मां ने तस्वीरों के साथ ५गॉड ब्लेस यू५ लिखकर बादशाह और ईशा को टैग किया था, जिसके बाद शादी की अटकलों तेज हो गई थी। बता दें कि बादशाह की पहली शादी जैस्मिन मसीह से शादी हुई थी और दोनों की एक बेटी भी है। साल 2020 में दोनों अलग हो गए थे। ईशा रिखी पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस और मॉडल हैं। वह जट्ट बॉयज पुट जट्टान डे, हैप्पी गो लकी और अरदास जैसी कई पंजाबी फिल्मों में काम कर चुकी हैं और बॉलीवुड फिल्म नवाबजादे में भी नजर आ चुकी हैं।

छोटे पर्दे की जानी-मानी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में एक अलग जगह बनाई है. वो टीवी की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्टेसेस में से एक हैं. तेजस्वी बेहद लग्जरी लाइफस्टाइल जीती हैं. आइए एक्ट्रेस के बर्थडे पर जानते हैं कि आखिर वो कितनी अमीर हैं. तेजस्वी प्रकाश ने साल 2012 में आए टीवी शो श2612श् के जरिए छोटे पर्दे पर पर कदम रखा था. इसमें उन्होंने रश्मि भार्गव का रोल निभाया था. उनकी एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आई. तेजस्वी को घर-घर पहचान कलर्स टीवी के शो श्स्वरागिनीश् में रागिनी माहेश्वरी की भूमिका निभाकर मिली. ये उनके करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ. इसके बाद तेजस्वी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. इसके बाद तेजस्वी श्पहरेदार पिया कीश, श्रिश्ता लिएंगे हम नयाश, श्कर्ण संगिनीश् और श्नागिन 6श् जैसे सीरियल्स में नजर आई. वो श्बिग बॉस 15श् का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं. इसके अलावा उन्होंने श्खतरों के खिलाड़ी 10श् में भी हिस्सा लिया था. अपने लंबे करियर और सफलता के दम पर तेजस्वी प्रकाश ने अच्छी-खासी संपत्ति भी बनाई है. वो बेहद लग्जरी लाइफस्टाइल जीती हैं. जीक्यू की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस की नेटवर्थ 25 करोड़ रुपये है. तेजस्वी एक टीवी एपिसोड के लिए करीब 6 लाख रुपये फीस चार्ज करती हैं. उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा ब्रांड एंडोर्समेंट से आता है. वो एक विज्ञापन के लिए करीब 10 से 15 लाख रुपये तक चार्ज करती हैंतेजस्वी प्रकाश ने साल 2022 में अपने पार्टनर करण कुंद्रा के साथ मिलकर दुंबई में एक आलीशान घर खरीदा था. उनका ये अपार्टमेंट दुबई के पॉश एरिया में स्थित है. इस घर की कीमत 2 करोड़ रुपये है. इसके अलावा तेजस्वी का एक घर गोवा में भी है. उनके बॉयफ्रेंड और एक्टर करण कुंद्रा ने सोशल मीडिया पर इस घर की झलक और गृह प्रवेश का वीडियो शेयर करके उन्हें बधाई दी थी. इतना ही नहीं, फरवरी 2026 में तेजस्वी ने मुंबई के सबसे पॉश इलाके बांद्रा में एक आलीशान अपार्टमेंट खरीदा है. 1304 वर्ग फुट में फैले इस 3-ठभ्झ घर की कीमत 7.63 करोड़ रुपये है. तेजस्वी प्रकाश का मुंबई के जुहू में एक लग्जरी ब्यूटी पार्लर भी है, जिसका नाम सैमश्ज सलोन इंडिया है. वो अक्सर अपने यूनिसेक्स लग्जरी सैलून के वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं. तेजस्वी प्रकाश लग्जरी गाडियों की शौकीन भी हैं. उनके पास एक शानदार ऑडी फ७ कार है. तेजस्वी ने ये कार श्बिग बॉस 14श् की ट्रॉफी जीतने के बाद खरीदी थी. श्इकनॉमिक टाइम्सश् के मुताबिक, इसकी कीमत 1 करोड़ रुपये है. इसके अलावा तेजस्वी के पास ह्यून्दे प20 है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये है.

## पहले ही दौर में हारकर हुई बाहर

करीब चार साल बाद एकल टेनिस में वापसी करने वाली दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का विंबलडन 2026 अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय युवा खिलाड़ी माया जॉइंट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेरेना को तीन सेटों के मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया हैं। दूसरी ओर मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक ने शुरुआती चुनौती को पार करते हुए अगले दौर में जगह बना ली हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में माया जॉइंट ने सेरेना विलियम्स को 6-3, 6-7 (8-6), 6-3 से हराया। मुकाबला लगभग ढाई घंटे तक चला। दूसरे सेट में सेरेना ने एक मैच प्वाइंट बचाकर शानदार वापसी की और मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे सेट में उनकी ऊर्जा जवाब दे गई और युवा खिलाड़ी ने जीत अपने नाम कर ली। बता दें कि 44 वर्षीय सेरेना विलियम्स ने वर्ष 2022 में पेशेवर एकल टेनिस से दूरी बना ली थी। इसी महीने उन्होंने अचानक वापसी की घोषणा की थी और विंबलडन से पहले केवल युगल वर्ग के दो मुकाबले खेले थे। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में यादगार वापसी करेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। गौरतलब है कि सेरेना विलियम्स विंबलडन महिला एकल में ओपन युग की दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले यह उपलब्धि नौ बार की चैंपियन मार्टिना नवरातिलोवा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 47 वर्ष की उम्र में वर्ष 2004 में दूसरे दौर तक का सफर तय किया था। सेरेना सात बार विंबलडन का महिला एकल खिताब जीत चुकी हैं और उनका आखिरी ग्रैंड स्लैम खिताब वर्ष 2017 के ऑस्ट्रेलियाई ओपन में आया था। मैच की शुरुआत से पहले सेंटर कोर्ट पर सेरेना का जोरदार स्वागत हुआ। दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया और कई प्रशंसक उनके समर्थन में संदेश लिखे पोस्टर लेकर पहुंचे। दूसरे सेट में जीत के बाद पूरे स्टेडियम में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, लेकिन आखिर में अनुभव पर युवा जोश भारी पड़ गया। जीत के बाद माया जॉइंट ने कहा कि मुकाबले से पहले वह पूरी रात तनाव में थीं और ठीक से सो भी नहीं सकीं। उन्होंने स्वीकार किया कि दूसरे सेट के अंत में सेरेना ने अपने खेल का स्तर काफी ऊंचा कर दिया था, जिससे मैच खत्म करना आसान नहीं रहा। बता दें कि माया पिछले 14 मुकाबलों में से 13 हार चुकी थीं और उनकी विश्व रैंकिंग भी काफी नीचे खिसक गई थी। इसके बावजूद उन्होंने बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया। अब दूसरे दौर में माया जॉइंट का सामना फिलीपींस की उभरती खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा ईआला से होगा। एलेक्जेंड्रा ने अपने पहले विंबलडन मुकाबले में रेनाटा जराजुआ को आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

### 40 साल का इंतजार खत्म

जूलियन क्विनोन्स और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में नौ मिनट के अंतराल में गोल किए जिससे मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई और नॉकआउट चरण में जीत हासिल करने के 40 साल के सूखे को खत्म किया। क्विनोनेस ने 22वें मिनट में मैक्सिको के लिए पहला गोल किया जबकि जिमेनेज ने 31वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। मैक्सिको की टीम ने 1986 में टूर्नामेंट की मेजबानी करते हुए राउंड ऑफ16 में बुल्गारिया को हराने के बाद से नॉकआउट चरण का कोई मैच नहीं जीता था। इसके बाद मैक्सिको को 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 के विश्व कप में अंतिम 16 में लगातार सात बार हार का सामना करना पड़ा। वह कतर में 2022 में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था। मैक्सिको रविवार को अपने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड और कांगो के बीच बुधवार को होने वाले मैच के विजेता का सामना करेगा। यह टूर्नामेंट में क्विनोनेस का तीसरा गोल था और अब वह विश्व कप इतिहास में एल ट्राइ (मैक्सिको की टीम का उपनाम) की तरफ से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे लुई हर्नांडिज और जेवियर हर्नांडिज हैं, जिन्होंने चार-चार गोल किए थे। जिमेनेज ने टूर्नामेंट का अपना दूसरा गोल किया और उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 47 गोल करके जेरेड बोर्गेटी को पीछे छोड़ दिया। वह अब मैक्सिको की तरफ से सर्वाधिक गोल करने के मामले में जेवियर हर्नांडिज की बराबरी करने से सिर्फ पांच गोल दूर हैं। प्रतिष्ठित एज्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम ने 10 विश्व कप मैचों में अजेय रहने का रिकॉर्ड बनाया है।

# फीफा विश्वकप में राउंड ऑफ-16 की 10 टीमें तय

## बाकी छह जगहों के लिए किनकी दावेदारी मजबूत, आगे क्या?

**न्यूयॉर्क।** फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। अब तक 10 टीमें अगले दौर में पहुंच चुकी हैं, जबकि बाकी स्थानों के लिए मुकाबले जारी हैं। इंग्लैंड, बेल्जियम, फ्रांस और ब्राजील जैसी टीमें प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी हैं। यहां जानिए पूरा शेड्यूल और सभी मुकाबलों की जानकारी। फीफा विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। ग्रुप स्टेज के बाद जैसे ही टूर्नामेंट नॉकआउट दौर में पहुंचा, सांस रोक देने वाले मुकाबले खेले जा रहे हैं। राउंड ऑफ-32 में कई ऐसे मौके आए हैं, जिसमें मैच आखिरी कुछ मिनटों में पलट गया है। यह टूर्नामेंट पहली बार 48 टीमों के साथ खेला जा रहा है, जबकि पहले 32 टीमें हिस्सा लेती थीं और राउंड ऑफ-16 से नॉकआउट शुरू होता था। हालांकि, अब राउंड ऑफ 32 से नॉकआउट का दौर चालू है और लगता है फीफा ने टूर्नामेंट की दिलचस्पी और बढ़ा दी है। कई बड़ी टीमें बाहर हो चुकी हैं और कई टीमें बाल-बाल बची हैं। कागज पर कमजोर दिखने वाली टीमों ने कमाल का खेल दिखाया है। अब तक राउंड ऑफ-32 के 10 मुकाबले खेले जा चुके हैं राउंड ऑफ-16 के लिए 10 टीमें मिल चुकी हैं। इन 10 मैचों में दिलचस्प टक्कर देखने को मिलीं। चार बार की चैंपियन जर्मनी और नीदरलैंड्स जैसी टीमें इस राउंड से बाहर हो चुकी हैं। वहीं, राउंड ऑफ 32 में छह और मैच खेले जाने हैं और छह टीमों का फैसला होना है। इन छह मैचों में यूरोप और दक्षिण अमेरिका की कुछ बड़ी टीमें किस्मत अजमाती दिखेंगी। अगले दो दिनों में पुर्तगाल, क्रोएशिया, अर्जेंटीना, स्पेन, स्विट्जरलैंड और कोलंबिया जैसी टीमों की किस्मत तय होंगी। ऐसे में फैंस को रोमांच का भरपूर डोज मिलना तय है। ऐसे में आइए सवाल-जवाब के जरिए जानते हैं कि अब तक कौन-कौन सी टीमें अगले दौर में पहुंची हैं, किसका मुकाबला किससे होगा और आगे का पूरा शेड्यूल क्या है। सवालरू राउंड ऑफ-32 के सांसें रोक देने वाले कौन से पांच बड़े मुकाबले रहे? बेल्जियम 3-2 सेनेगल (एक्स्ट्रा टाइम में गया मैच)रू 85वें मिनट तक बेल्जियम 0-2 से पीछे था, लेकिन रोमेलू लुकाकू और यूरी टाइलेमांस ने तीन मिनट में दो गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। फुल टाइम के बाद स्कोर 2-2 से बराबर रहने की वजह से मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसके बाद 124वें मिनट में टाइलेमांस ने पेनल्टी पर गोल कर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह विश्व कप इतिहास का सबसे देर से किया गया गोल भी बना। इंग्लैंड 2-1 डीआर कांगोरू डीआर कांगो ने सातवें मिनट में बढ़त बना ली थी और 75वें मिनट तक इंग्लैंड बाहर होने की कगार पर था। इसके बाद कप्तान हैरी केन ने 75वें और 86वें मिनट में दो गोल कर इंग्लैंड को शानदार वापसी के साथ राउंड ऑफ 16 में पहुंचाया। जर्मनी 1-1 (3-4 पेनल्टी) पराग्वेरू जर्मनी का एक गोल विवादित फैसले में रद्द हुआ और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा। यहां पराग्वे ने 4-3 से जीत दर्ज कर चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को टूर्नामेंट से बाहर कर बड़ा उलटफेर किया। नीदरलैंड्स 1-1 (2-3 पेनल्टी) मोरक्कोरू निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम तक मुकाबला बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को के गोलकीपर ने शानदार प्रदर्शन किया और टीम ने 3-2 से जीत दर्ज कर नीदरलैंड्स को बाहर कर दिया। अमेरिका 2-0 बोस्निया और हर्जेगोविनारू फोलारिन बालोगुन के रेड कार्ड के बाद अमेरिका को करीब 30 मिनट तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

# बाहर होने से बाल-बाल बचे इंग्लैंड-बेल्जियम

**न्यूयॉर्क।** फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड और बेल्जियम ने शानदार वापसी करते हुए राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। हैरी केन के दो गोल से इंग्लैंड ने कोंगो डीआर को 2-1 से हराया, जबकि बेल्जियम ने 2-0 से पिछड़ने के बाद सेनेगल को 3-2 से मात दी। आज स्पेन और पुर्तगाल जैसी दिग्गज टीमें अपने-अपने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले खेलेंगी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ32 में बुधवार का दिन रोमांच, ड्रामा और ऐतिहासिक वापसी के नाम रहा। इंग्लैंड और बेल्जियम दोनों ही टीमें एक समय टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर थीं, लेकिन आखिरी मिनटों में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने हार को जीत में बदल दिया। इंग्लैंड ने कांगो डीआर को 2-1 से हराया, जबकि बेल्जियम ने एक्स्ट्रा टाइम में सेनेगल को 3-2 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दोनों मुकाबलों में स्टार खिलाड़ियों ने दबाव के बीच बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी टीमों को संकट से बाहर निकाला। वहीं, अमेरिका ने बोस्निया-हर्जेगोविना को हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। अटलांटा में खेले गए मुकाबले में कोंगो डीआर ने मुकाबले की शुरुआत से ही इंग्लैंड को चौंका दिया। सातवें मिनट में ब्रायन सिपेंगा ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला गोल करते हुए कोंगो डीआर को बढ़त दिला दी। इसके बाद इंग्लैंड ने लगातार हमले किए, लेकिन कोंगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने कई शानदार बचाव किए। पहले हाफ में जूड बेलिंगहैम के दो दमदार हेडर गोल में नहीं बदल सके। मार्कस रैशफोर्ड का शॉट भी गोललाइन से क्लियर कर दिया गया, जबकि हाफटाइम से ठीक पहले हैरी केन की नजदीक से लगाई गई वॉली को भी गोलकीपर ने रोक दिया। दूसरी ओर, कोंगो डीआर के पास बढ़त दोगुनी करने का भी मौका था, लेकिन योआने विसा का प्रयास पोस्ट से टकरा गया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड के कोच थॉमस टुखेल के बदलाव निर्णायक साबित हुए। सब्स्टीट्यूट एंथनी गॉर्डन के क्रॉस पर 75वें मिनट में हैरी केन ने हेडर से बराबरी का गोल दागा। इसके 11 मिनट बाद केन ने डिफेंडर को छकाते हुए शानदार स्ट्राइक लगाई, जिसे रोक पाना गोलकीपर के लिए नामुमकिन था। इस गोल ने इंग्लैंड को 2-1 की यादगार जीत दिला दी। इंग्लैंड ने बनाया अनोखा विश्व कप रिकॉर्ड इस जीत के साथ इंग्लैंड ने विश्व कप इतिहास में पहली बार हाफटाइम तक पिछड़ने के बाद कोई मुकाबला जीता। इससे पहले विश्व कप में नौ ऐसे मैच हुए थे, जिनमें इंग्लैंड पहले हाफ के बाद पीछे था। उनमें उसे सात हार मिली थीं, जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे थे। इस तरह टीम ने वर्षों पुराना रिकॉर्ड बदलते हुए इतिहास रच दिया। इसके अलावा हैरी केन ने विश्व कप फाइनल्स में अपना 13वां गोल दागा और एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी अहमियत साबित की।

## इस विश्वकप में अब तक किसने दागे सबसे ज्यादा गोल? शीर्ष स्थान को लेकर कड़ा मुकाबला

**मियामी।** फीफा विश्व कप 2026 में गोल्डन बूट की दौड़ रोमांचक हो गई है। किलियन एमबाप्पे, मेसी समेत तमाम फॉरवर्ड खिलाड़ियों के बीच दिलचस्प टक्कर देखने को मिल रही है। आइए देखते हैं कि टॉप-10 की लिस्ट में कौन-कौन से खिलाड़ी शामिल हैं... फीफा विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। राउंड ऑफ 32 में पिछले कुछ दिनों में दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले हैं। कुछ बड़ी टीमें बाहर हो चुकी हैं, जबकि कुछ बड़ी टीमें हारते हारते बची हैं।

वहीं, कुछ ऑनपेपर कमजोर दिखने वाली टीमों ने कमाल का खेल दिखाया। भले ही वो टीमें अगले राउंड में नहीं पहुंच सकीं, लेकिन अपने खेल से लोगों का दिल जीत लिया। नॉकआउट चरण में खिताब की जंग के साथ-साथ गोल्डन बूट की दौड़ भी बेहद रोमांचक हो गई है। राउंड ऑफ 32 के मुकाबलों के बाद कई स्टार खिलाड़ियों ने अपनी टीमों को जीत दिलाते हुए गोलों की संख्या बढ़ाई है। फिलहाल फ्रांस के किलियन एमबाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी छह-छह गोल के साथ शीर्ष पर हैं, लेकिन अधिक असिस्ट होने के कारण एमबाप्पे गोल्डन बूट की रेस में पहले स्थान पर बने हुए हैं। असिस्ट की वजह से मेसी से आगे हैं एमबाप्पे गोल्डन बूट का फैसला केवल गोलों के आधार पर नहीं होता। अगर दो खिलाड़ियों के गोल बराबर हों तो सबसे पहले असिस्ट की संख्या देखी जाती है। एमबाप्पे ने अब तक छह गोल के अलावा दो असिस्ट भी किए हैं यानी दो गोल होने में अहम भूमिका निभाई है। उन्हीं के पास पर फ्रांस का दूसरा खिलाड़ी गोल कर सका। जबकि मेसी के नाम छह गोल हैं, लेकिन एक भी असिस्ट नहीं है। यही वजह है कि फ्रांस का स्टार स्ट्राइकर फिलहाल गोल्डन बूट की रेस में नंबर-एक पर है। हालांकि यह दौड़ अभी पूरी तरह खुली हुई है। नॉकआउट मुकाबलों में एक शानदार प्रदर्शन पूरे समीकरण बदल सकता है। हैरी केन और हालंद भी दौड़ में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने डीआर कांगो के खिलाफ दो गोल दागकर अपनी कुल गोल संख्या पांच तक पहुंचा दी।

# अर्थ जगत

## बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, ईरान-अमेरिका शांति वार्ता से सेंसेक्स-निफ्टी चढ़े

**नई दिल्ली।** ईरान-अमेरिका वार्ता से तेल की कीमतों में आई गिरावट के चलते भारतीय शेयर बाजार में तेजी आई है। निफ्टी 24,050 के पार और रुपया 94.90 पर पहुंचा। बाजार के इस उछाल और एक्सपर्ट्स की सलाह की पूरी रिपोर्ट यहां पढ़ें। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में बढ़त का सिलसिला जारी रहा, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी ने घरेलू बाजार को बड़ी राहत दी है। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 377.40 अंक चढ़कर 77,269.54 पर पहुंच गया। निफ्टी 106.70 अंक बढ़कर 24,113.25 पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी ओर विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय रुपये ने भी शानदार मजबूती दिखाई और शुरुआती कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे सुधरकर 94.90 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार की शुरुआती तेजी के पीछे कौन से मुख्य कारण रहे हैं? वैश्विक स्तर पर मिश्रित संकेतों के बावजूद घरेलू शेयर बाजार ने नए महीने की शुरुआत काफी सकारात्मक रुख के साथ की है, जहां बेंचमार्क सूचकांकों ने लगभग 0.5 प्रतिशत की बढ़त हासिल की है। इस तेजी को सबसे बड़ा सहारा ईरान-अमेरिका शांति वार्ता से मिला है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें नरम हुई हैं। तेल की कीमतों में गिरावट भारत जैसे बड़े आयातक देश के लिए व्यापक आर्थिक (मैक्रो-इकोनॉमिक) मोर्चे पर बड़ी राहत लेकर आई है। इसी वजह से गुरुवार को लगातार दूसरे सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में लगभग 0.35 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। दिग्गज शेयरों के प्रदर्शन और सेक्टोरल मूवमेंट का क्या हाल है? बाजार के खुलते ही प्रमुख सेक्टर्स और दिग्गज कंपनियों के शेयरों में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली, जिसने बाजार को ऊपर खींचने में मुख्य भूमिका निभाईरू इन्फोसिसरू सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इन्फोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा लिवाली देखी गई और यह शुरुआती कारोबार में 3 प्रतिशत तक उछल गया। अदाणी एंटरप्राइजेजरू अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में भी तेजी का रुख रहा और यह दो प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। इन प्रमुख शेयरों के मजबूत प्रदर्शन ने बाजार के सेंटिमेंट को काफी बढ़ावा दिया है,

## जब सब मुनाफा कमा रहे, तो मैं क्यों नहीं : क्रिप्टो से कमाई पर ट्रंप का जवाब, जानिए अब तक कितनी गरम हुई जेब

**नई दिल्ली।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो गतिविधियों से हुई 1.2 अरब की अपनी बंपर कमाई का बचाव किया है। जानें कैसे नियमों में ढीली नीति और नए प्रोजेक्ट्स ने उनकी संपत्ति को तीन गुना बढ़ाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। इस बार चर्चा उनकी नीतियों के साथ-साथ उनके परिवार की क्रिप्टोकरेंसी गतिविधियों से पिछले वर्ष हुई लगभग लगभग 120 करोड़ डॉलर की भारी-भरकम कमाई को लेकर है। विशेषज्ञों और आलोचकों की ओर से हितों के टकराव और पद के दुरुपयोग के आरोपों के बीच ट्रंप ने अपने बंपर मुनाफे का बचाव किया है। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि उनके शासनकाल में केवल वही नहीं, बल्कि अमेरिकी शेयर बाजार में लगातार हो रही तेजी के कारण देश का हर नागरिक लाभ कमा रहा है। ट्रंप की इस भारी कमाई और हितों के टकराव पर क्या है पूरा विवाद? आलोचकों का आरोप है कि डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद पर रहते हुए अपनी निजी संपत्ति को बढ़ाने के लिए अपने आधिकारिक प्रभाव का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस विवाद पर सफाई देते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी पूरी कमाई एक ब्लाइंड ट्रस्ट के अधीन है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे व्यक्तिगत रूप से इसमें दखल न दे सकें। ट्रंप ने संवाददाताओं से स्पष्ट रूप से कहा, ष्मैं अपने व्यक्तिगत वित्तीय मामलों में शामिल नहीं होता। हमारे पास फंड हैं जो मेरे पैसे का प्रबंधन करते हैं। मैंने राष्ट्रपति बनने से पहले भी व्यवसाय में बहुत पैसा कमाया था, और वे ही मेरे धन का निवेश करते हैं। मैं उनसे बात नहीं करता।ष् हालांकि, रिकॉर्ड बताते हैं कि यह विशाल कमाई उन्हीं क्रिप्टो उद्यमों से जुड़ी है जो उनके व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखने के पहले ही किए गए थे। राष्ट्रपति ट्रंप के पास 1.2 अरब का यह बंपर फंड कहां से आया? अमेरिकी सरकारी नैतिकता कार्यालय द्वारा जारी 927 पन्नों के वित्तीय प्रकटीकरण दस्तावेजों के अनुसार, ट्रंप की इस भारी कमाई के दो मुख्य स्रोत रहे हैंरू वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (ॅस्थ)रू इस नए स्टार्टअप के साथ अपने संबंधों के कारण ट्रंप को साल 2025 में करीब 55 करोड़ डॉलर मिले। इस कंपनी की सह-स्थापना सितंबर 2024 में ट्रंप के बेटों और उनके पश्चिम एशिया के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बेटे ने मिलकर की थी। ज़्ब्ड्च् क्रिप्टोकरेंसीरू जनवरी 2025 में ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से ठीक कुछ घंटे पहले ज़्ब्ड्च् नामक क्रिप्टोकरेंसी लॉन्च की गई थी। इस टोकन से जुड़े एक लाइसेंसिंग समझौते के तहत रॉयल्टी के रूप में ट्रंप को 63.5 करोड़ डॉलर मिले। सरकारी नीतियों और ट्रंप की नेटवर्थ पर इस क्रिप्टो गतिविधि का क्या असर हुआ? व्हाइट हाउस की नीतियों और ट्रंप के निजी निवेशों का सीधा तालमेल इस सेक्टर में देखा जा सकता है। सत्ता संभालने के बाद ट्रंप ने क्रिप्टो सेक्टर को नियम-मुक्त करने के लिए कई बड़े नीतिगत कदम उठाए, जिससे डिजिटल संपत्तियों की कीमतें आसमान छूने लगीं। इस पर व्हाइट हाउस ने गर्व से बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रपति ने संयुक्त राज्य अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बना दिया है। इस नीतिगत उछाल का सीधा फायदा खुद ट्रंप की नेटवर्थ को मिला। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस क्रिप्टो गतिविधि के चलते ही डोनाल्ड ट्रंप की व्यक्तिगत संपत्ति साल 2024 के 2.3 अरब से लगभग तीन गुना बढ़कर साल 2026 में 6.5 अरब तक पहुंच गई है। इस पूरे मामले में नैतिकता और पारदर्शिता की आगे क्या राह दिखाई देती है? ट्रंप की इस अभूतपूर्व क्रिप्टो कमाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद और निजी व्यावसायिक हितों के बीच की सीमा रेखाओं पर एक नई बहस छेड़ दी है।

## जंग लगने से देश को हर साल 12 लाख करोड़ का नुकसान, स्टेनलेस स्टील उद्योग ने की राष्ट्रीय नीति की मांग

**मुंबई।** इंडियन स्टेनलेस स्टील डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईएसएसडीए) और ग्लोबल स्टेनलेस स्टील एक्सपो (जीएसएसई) ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय स्टेनलेस स्टील नीति और राष्ट्रीय एंटी करॉन नीति लागू करने की मांग की है, जिसमें स्टील के कच्चे माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और देश भर में बुनियादी ढांचे में जंग रोधी (करॉजन रिजिसेंट) स्टील के उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। भारत में सार्वजनिक संपत्तियों और बुनियादी ढांचे में जंग (करॉजन) लगने से हर साल देश को एक भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस समस्या से निपटने और घरेलू उद्योग को मजबूत करने के लिए इंडियन स्टेनलेस स्टील डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईएसएसडीए) और ग्लोबल स्टेनलेस स्टील एक्सपो (जीएसएसई) ने केंद्र सरकार से श्राष्ट्रीय स्टेनलेस स्टील नीतिश् और श्राष्ट्रीय एंटी-करॉजन नीतिश् लागू करने की पुरजोर मांग की है। मुंबई में आयोजित एक हालिया कार्यक्रम में उद्योग के दिग्गजों ने सस्ते आयात और नीतिगत खामियों पर चिंता जताते हुए एक अलग ढांचे की वकालत की है। उद्योग का कहना है कि देश में हर साल जंग लगे स्टील के कारण लगभग 12 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान, बढ़ते आयात और विनिर्माण क्षमता के कम उपयोग जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू मांग का कितना बड़ा हिस्सा आयात से होता है पूरा? उद्योग के आंकड़ों के अनुसार भारत में सटेनलेस स्टील का उत्पादन की क्षमता लगभग 75 लाख टन है, लेकिन वर्तमान में इसका इसका केवल 60 से 65 प्रतिशत ही इस्तेमाल हो रहा है। जबकि घरेलू मांग का लगभग 25 से 28 प्रतिशत हिस्सा आयात से पूरा किया जाता, विशेषकर चीन से आयात किया जाता है। आईएसएसडीए के अध्यक्ष राजामणि कृष्णमूर्ति ने बताया, भारत के पास स्टेनलेस स्टील में वैश्विक नेतृत्व करने और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के साथ तकनीकी विशेषज्ञता है, लेकिन ठोस नीति की जरूरत है। उद्योग के लिए प्रमुख चुनौतियां क्या? उन्होंने बताया मौजूदा समय में उद्योग दो बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है, पहला सस्ता आयात और दूसरा ठोस नीति का अभाव। स्टेनलेस स्टील को अभी भी सामान्य स्टील की श्रेणी में रखा जाता है, जबकि इसकी निर्माण प्रक्रिया, कच्चे माल की आवश्यकता और उपयोग के क्षेत्र पूरी तरह अलग हैं। एक अलग राष्ट्रीय स्टेनलेस स्टील नीति कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी, निवेश को प्रोत्साहित करेगी और भारत को वैल्यू-एडेड स्टेनलेस स्टील का वैश्विक केंद्र बनाने में मदद करेगी। नीति लागू होने से इंफ्रास्ट्रक्चर योजना को कैसे बढ़ावा मिलेगा? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि, करॉजन उद्योग के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 4 प्रतिशत, यानी करीब 12 लाख करोड़ रुपये हर वर्ष सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, परिवहन, औद्योगिक परिसंपत्तियों और उपयोगिता सेवाओं में जंग के कारण गंवा देता है। इस नुकसान का बड़ा हिस्सा रोका जा सकता है। जिसको राष्ट्रीय एंटी-करॉजन नीति के जरिए से रोका जा सकता है। राष्ट्रीय एंटी-करॉजन नीति के माध्यम से जीवनचक्र आधारित (स्पमिबलबसम-टेंमक) इंफ्रास्ट्रक्चर योजना को बढ़ावा मिलेगा और विशेष रूप से भारत के विशाल तटीय क्षेत्रों में जंग-रोधी सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।